HINDI SYLLABUS

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य के स्नातक **प्रतिष्ठा** पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम **आधारित** पाठ्यक्रम संरचना 2019 के आधार पर प्रस्तुत किया गया है। इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गयी है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिन्दी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का **विश्लेषण** कैसे किया जाये, उसकी सराहना कैसे की जाये और दिये गये पाठ को पढ़ने की समझ किस **प्रकार** विकसित की जाये, ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली भाँति परिचित हो सके।

चयन आधारित क्रेडिट **प्रणाली** में हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम की बड़ी भूमिका होती है। साथ ही भारत विविधताओं वाला देश है और ये विविधताएँ भाषागत भी है। यहाँ तक कि मानक हिन्दी भाषा के अंतर्गत अनेक बोलियाँ भी सम्मिलित हैं जिनका साहित्य भी हिन्दी भाषा में समृद्ध कर रहा है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए यह पाठ्यक्रम प्रस्तुत की गयी है। इसमें **उल्लेखित** पाठों के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी न केवल अपने विवेक को विकसित का सकेगा बल्कि विश्लेषण करने में भी समर्थ हो सकेगा।

वर्तमान समय सूचना और **क्रांति** का समय है। यह पाठ्यक्रम रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा ताकि इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन का निर्वाह भली भाँति कर सके। अधिगम परिणाम आधारित **शिक्षण** प्रणाली में सुझाये गये पाठ्यक्रमों को यदि नवाचार की दृष्टि से लागू किया जाता है, तो यह **सम्पूर्ण** समाज के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। **वर्तमान** समय की माँग है कि साहित्य में स्थानीयता के साथ-साथ राष्ट्रीय और वैश्विक दृष्टिकोण सम्मिलित हो और विद्यार्थियों को उसके वृहत्तर रूप से परिचित कराया जाय। इसमें वहाँ के विद्यार्थियों की **रुचि** भी हिन्दी साहित्य के अध्ययन हेतु बढ़ेगी। अतः **महाविद्यालयों** से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इन पाठ्यक्रमों को लागू करने में रुचि दिखाएँ और **प्रोत्साहन** दें।

परिचय :

हिन्दी साहित्य के स्नातक **प्रतिष्ठा** पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम **आधारित** पाठ्यक्रम संरचना (LOCF) 2019 के आधार पर **प्रस्तुत** किया गया है। इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गयी है कि इसके अध्ययन के पश्चात **हिन्दी** साहित्य के विद्यार्थी यह जान सके कि **साहित्य** का विश्लेषण कैसे किया जाये। उसकी सराहना कैसे **की** जाये और दिये गये पाठ को पढ़ने की समझ **किस** प्रकार विकसित की जाये ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली भाँति परिचित हो सके।

उद्देश्य :

हिन्दी के स्नातक प्रतिष्ठा **पाठ्यक्रम** का उद्देश्य निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना है-

(i) विद्यार्थियों को सचेत **नागरिक** बनाना।
(ii) एक कुशल वक्ता का निर्माण करना।
(iii) समाज और समुदाय के **प्रति** संवेदनशील दृष्टि का विकास करना।
(iv) राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।

(v) स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विशिष्ट साहित्य से परिचित कराना।
(vi) भाषा संबंधी कौशल का विकास करना।
(vii) विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।
(viii) विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टिकोण का विकास करना।
(ix) सम्प्रेषण कौशल का विकास करना।
(x) समूह कार्य और समय प्रबंधन के प्रति सचेत कराना।

स्नातकीय विशेषता :

1. अनुशासनात्मक ज्ञान

• हिन्दी साहित्य की विभिन्न शैलियों, युगों एवं धाराओं की पहचान तथा उन पर चर्चा करने की क्षमता।
• विभिन्न साहित्यिक और महत्त्वपूर्ण अवधारणाओं को हासिल करने की क्षमता।
• साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी और उनकी ऐतिहासिक संदर्भ जानने की क्षमता।
• विभिन्न दृष्टिकोणों से भाषाविश्लेषण कौशल।
• विभिन्न सिद्धांतों के आधार पर पाठ विश्लेषण और पाठ आलोचना में योग्यता।
• सामाजिक संदर्भ में साहित्य का मूल्यांकन और विश्लेषण करने की क्षमता।
• साहित्य पढ़ने के अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में साहित्यिक विश्लेषण के बारे में जिज्ञासा।

2. प्रेषणीयता

• साहित्यिक तथा अन्य विविध क्षेत्रों में हिन्दी कथन एवं लेखन कौशल का विकास।
• आलोचनात्मक अवधारणाओं के प्रयोग कौशल का विकास।
• सम्प्रेषण क्षमता का विकास।

3. गंभीर विचार

• विचारात्मक सोच का विकास।
• साहित्य अध्ययन के लिए तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास।

4. समस्या समाधान

• मौखिक एवं लिखित हिन्दी में आनेवाली समस्याओं का समाधान।
• हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से संबंधित प्रश्नों का समाधान।
• हिन्दी भाषा के तकनीकी अनुप्रयोग से संबन्धित समस्याओं का समाधान।

5. बहुसांस्कृतिक क्षमता

• क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर बहुसांस्कृतिक आयामों से परिचय।

6. अनुसंधान संबंधी कौशल

• अन्वेषणमूलक दृष्टिकोण का बीज वपन।
• अनुसंधान की मूल समस्यायों की पहचान।
• अनुसंधान परियोजना की तैयारी का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान।

7. सूचना डिजिटल साक्षरता

• हिन्दी साहित्य, समाचार पत्र, पत्रिका आदि जैसे विभिन्न ईस्रोत का ज्ञान ।
• हिन्दी भाषा में ईपृष्ठों, ईसामग्र-पत्रिकाओं और ई-ठियों के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य को समृद्ध और विकसित करने की क्षमता ।

8. चिंतनशील सोच
• शिक्षण और अनुभव से प्राप्त सोच के माध्यम से सामाजिक स्थिति निर्धारण करने की क्षमता ।

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (PLO) :
हिन्दी स्नातक कार्यक्रम से संबंधित परिणाम इस प्रकार हैं -

1. साहित्य सम्प्रेषण के आधार बिन्दुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में एक स्पष्ट ज्ञान विकसित हो सके ।
2. हिन्दी साहित्य और भाषा के क्षेत्र में प्रमुख अवधारणाओं, सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य एवं नवीनतम रुझानों के साथ परिचित कराना ताकि साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके ।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता को बढ़ावा देना ।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना ।
5. स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संस्कृति के बारे में जानकारी देना और साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता का विकास हो सके ।
6. आधुनिक संदर्भों में तकनीकी संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए हिन्दी साहित्य की जानकारी देना।
7. प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना ।
8. विद्यार्थी लेखन, वाचन और श्रवण के साथकर विकास का कल्पनाशक्ति साथ-ना जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके ।
9. हिन्दी साहित्य के अध्यायन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान और रोजगार के नये नये मार्ग तलाशने योग्य बनेगा का ।
10. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग तलाशना ।
11. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरुकता पैदा करना ।

शिक्षण अधिगम पद्धति :

1. व्याख्यान
2. संवाद तथा बहस
3. परिवेश का सृजन
4. समकालीन साहित्य का ज्ञान
5. अध्ययन से संबन्धित पर्यटन
6. क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
7. तकनीकी का सहयोग

मूल्यांकन पद्धति :

1. गृह समनुदेशन
2. परियोजना रिपोर्ट

3. कक्षा प्रस्तुति
4. सामूहिक चर्चा
5. सत्र परीक्षा

FYUGP Structure as per UGC Credit Framework of December, 2022

Year	*Semester*	*Course*	*Title of the Course*	*Total Credit*
Year 01	*1st Semester*	*C - 1*	**हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल**	*4*
		Minor 1	**लोक साहित्य**	*4*
		GEC - 1	**पर्यटन और साहित्य**	*3*
		AEC 1	**हिन्दी भाषा और व्याकरण**	*4*
		VAC 1/ VAC 2	*Understanding India Health and Wellness*	*2*
		SEC 1	**मीडिया के लिए साक्षात्कार**	*3*
	20			
	2nd	*C - 2*	**हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल**	*4*

	Semester	*Minor 2*	राजभाषा हिन्दी	*4*
		GEC 2	सृजनात्मक हिन्दी	*3*
		AEC 2	*English Language and Communication Skills*	*4*
		VAC 3 / VAC 4	*Environmental Science Yoga Education*	*2*
		SEC 2	कम्प्यूटर अनुप्रयोग	*3*
			20	
The students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Study/Discipline) after securing the requisite 40 Credits in Semester 1 and 2 provided they secure 4 credits in work based vocational courses offered during summer term or internship / Apprenticeship in addition to 6 credits from skill based courses earned during 1st and 2nd Semester				
Year 02	*3rd Semester*	*C - 3*	हिन्दी साहित्य : भारतेन्दु से छायावादी कविता तक	*4*
		C - 4	हिन्दी साहित्य : प्रगतिवाद से **20** वीं शताब्दी तक	*4*
		Minor 3	स्थानीय भाषा के साहित्य का देवनागरी लिपि में अध्ययन	*4*
		GEC – 3	साहित्य और सिनेमा	*3*
		VAC 3	*Digital and Technological Solutions / Digital Fluency*	*2*
		SEC – 3	अनुवाद कौशल	*3*
				20
	4th Semester	*C - 5*	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	*4*
		C - 6	हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास	*4*
		C - 7	हिन्दी कहानी साहित्य	*4*
		C - 8	हिन्दी उपन्यास साहित्य	*4*
		Minor 4	सृजनात्मक लेखन	*4*
			20	
Grand Total (Semester I, II, III and IV)				***80***
The students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the Field of Study/Discipline) after securing the requisite 80 Credits on completion of Semester IV provided they secure additional 4 credit in skill based vocational courses offered during First Year or Second Year summer term				
	5th Semester	*C – 9*	भारतीय काव्यशास्त्र	*4*
		C – 10	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	*4*
		C – 11	आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)	*4*
		Minor 5	राष्ट्रीय चेतना की कविता	*4*
			Internship + Communitiy	*2+2/4*

			Engagement / Project	
				20
Year 03				
	6th Semester	*C – 12*	भाषा विज्ञान	*4*
		C – 13	हिन्दी नाट्य साहित्य	*4*
		C – 14	हिन्दी निबंध	*4*
		C – 15	प्रयोजनमूलक हिन्दी	*4*
		Minor – 6	भारतीय साहित्य	*4*
			Total	*20*
Grand Total (Semester I, II, III and IV, V and VI)				***120***
The students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) Honours (3 years) after securing the requisite 120 Credits on completion of Semester 6				
	7th Semester	*C – 16*	छायावादोत्तर कविता	*4*
		C – 17	हिन्दी पत्रकारिता	*4*
		C – 18	आलोचना साहित्य	*4*
		Minor – 7	मीडिया के विविध आयाम	*4*
		RM	*Research Ethics and Methodology*	*4*
				20
Year 04				
	8th Semester	*C – 19*	भारतीय साहित्य	*4*
		C – 20	लोक-साहित्य	*4*
		Minor – 8	विज्ञापन कला	*4*
		Dissertation/DSE-1 & DSE-2	*Dissertation (Collection of Data, Analysis and Preparation of Report) / 2 DSE Courses of 4 credits each in lieu of Dissertation* (लघु शोध प्रबंध, **DSE- I** तुलसी साहित्य / सूर साहित्य, **DSE- 2** प्रेमचन्द साहित्य)	*8*
				20
Grand Total (Semester I, II, III and IV, V, VI, VII and VIII)				***160***
The students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) (Honours with Research)(4 years) after securing the requisite 160 Credits on completion of Semester 8				

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 1 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 60 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल
Course Code	**:**	**HINC1**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरूरी है। हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन, नामकरण और आदिकालीन साहित्य से परिचय जब तक नहीं होगा, तब तक विद्यार्थियों का ज्ञान अधूरा माना जाएगा। उसी तरह हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाने वाला भक्तिकाल के प्रमुख कवियों कबीर, जायसी, सूर और तुलसी के साहित्य के बारे में भी जानना जरूरी है। इसे ध्यान में रखते हुए इस पत्र को पाठ्यक्रम में रखा गया है ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी की सही दिशा, दशा का पता चल सके।

CO 1: हिन्दी साहित्य के इतिहास का इतिहास से परिचित कराना।

ILO1: विद्यार्थी हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन की परम्परा को जान सकेंगे।

ILO2: हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन के बारे में अवगत होंगे।

ILO3: नामकरण की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

CO2: हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित कराना।

ILO1: आदिकालीन परिस्थिति के बारे में जानेंगे।

ILO2: आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

ILO3: आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं को समझ सकेंगे।

ILO4: अमीर खुसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझेंगे।

CO3: भक्तिकालीन साहित्य एवं भक्ति के उदय के मूलभूत कारणों से परिचित कराना।

ILO1: भक्तिकाल की पृष्ठभूमि को समझेंगे।

ILO2: हिन्दी साहित्य में भक्ति का उद्भव और विकासात्मक स्वरूप से परिचित होंगे।

ILO3: हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है उसे समझेंगे।

ILO4: भक्तिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।

CO4: भक्तिकालीन काव्य धारा से परिचय कराना।

ILO1: सगुण भक्ति काव्य की विशेषताओं के बारे में जान सकेंगे।

ILO2: राम भक्ति एवं कृष्ण भक्ति काव्य के प्रमुख कवि तथा साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

ILO3: निर्गुण भक्ति काव्य की विशेषताओं के बारे में जान सकेंगे।

ILO4: संत एवं सूफी काव्य के प्रमुख कवि तथा साहित्यिक प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन कर पायेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	हिन्दी साहित्य के इतिहास का इतिहास : ▸ हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा ▸ कालविभाजन ▸ नामकरण की समस्या	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	आदिकालीन साहित्य : ▸ आदिकालीन परिस्थितियाँ ▸ आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ ▸ आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ - सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य ▸ अमीर खुसरो, विद्यापति (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	भक्तिकालीन साहित्य : ▸ भक्तिकाल की पृष्ठभूमि/परिस्थितियाँ ▸ हिन्दी साहित्य में भक्ति का उदय और विकास ▸ स्वर्णयुग ▸ भक्तिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ	**14**	**01**	**-**	**15**

4 (15 Marks)	भक्तिकालीन काव्यधारा : ▸ सगुण भक्ति काव्य की विशेषताएँ ▸ रामभक्ति काव्य एवं कृष्ण भक्तिकाव्य (प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ) ▸ निर्गुण भक्ति काव्य की विशेषताएँ ▸ संत-काव्य एवं सूफी-काव्य (प्रमुख कवि एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ)	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, आगरा ।

****

SEMISTER – I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – MN – 1 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : लोक साहित्य

Course Code : MINHIN1
Nature of the Course : Minor
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

लोक साहित्य लोक जीवन की अभिव्यक्ति है । किसी समाज के पुरातन रूप को झाँक कर देख लेने का उत्तम साधन लोक साहित्य है । लोक साहित्य के द्वारा ही युग-युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों का परिचय मिलता है । एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचने वाले लोक साहित्य की परम्पराएँ आज हम तक पहुंची है । अतः विद्यार्थियों को इस परंपरा को वर्तमान संदर्भ से जोड़कर उसमें परस्पर समन्वय स्थापित कर अध्ययन करना परम आवश्यक है ताकि हमारे पुरखों की परम्पराएँ केवल सांस्कृतिक धरोहर तथा बीते हुए कल की आवाज मात्र न रहकर युग-युग तक जीवन्त सर्जना बनकर रहे ।

CO1: लोक साहित्य के बारे में जानकारी देना ।
ILO1: लोक साहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व से अवगत होंगे ।
ILO2: लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास को जानेंगे ।
CO2: लोक साहित्य संकलन के प्रति रुचि पैदा कराना ।
ILO1: लोक साहित्य संकलन के उद्देष्य तथा पद्धतियों को समझेंगे ।
ILO2: लोक साहित्य संकलन की समस्या एवं समाधान के बारे में जानकारी मिलेगी ।
CO3: लोक साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना ।
ILO1: लोकगीत, लोककथा आदि से परिचित होंगे ।
ILO2: लोकगाथा और लोकनृत्य से परिचित होंगे ।
CO4: असमीया लोक साहित्य से परिचय कराना ।
ILO1: असमीया लोक साहित्य का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा ।
ILO2: लोकगीत, बिहुगीत, निसुकनी गीत, कामरूपी और गोवालपरीया लोकगीतों से परिचित होंगे ।
ILO3: लोककथा- तेजीमाला में अंतर्निहित मानवीय मूल्यों का समझ होंगे ।
ILO4: असमीया डाक प्रवचन की भाव गंभीरता, सामाजिक-सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3,		

				CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ लोक साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व ▸ लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ लोक साहित्य संकलन : उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ ▸ लोक साहित्य संकलन की समस्या और समाधान	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ लोक साहित्य की विविध विधाएँ – लोकगीत, लोक कथा, लोकगाथा, लोक नाट्य	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ असमीया लोक साहित्य : सामान्य परिचय ▸ लोकगीत : बिहु गीत, निसुकनी गीत, कामरूपी और गोवालपरीया लोकगीत ▸ लोककथा : तेजीमला ▸ डाक प्रवचन	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M

CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद ।
2. लोक साहित्य सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ. श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
3. असमीया लोक समाज में डाक प्रवचन : डॉ. जोनाली बरुवा, नर्मदा प्रकाशन, लखनऊ ।
4. गोवालपरिया लोक साहित्य : स्वरूप और मूल्यांकन : डॉ. समीर कुमार झा, कौस्तुभ प्रकाशन, डिब्रूगड़, असम ।

****

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – GEC – 1 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : पर्यटन और साहित्य
Course Code : **GECHIN1**
Nature of the Course : **Generic Elective Course**
Total Credits : **3**
Distribution of Marks : **60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना :

पर्यटन एक गतिशील और बहुआयामी वैश्विक उद्योग है, जिसमें लोगों को अपने सामान्य वातावरण से पूरे अवकाश, व्यवसाय या अन्य उद्देश्यों के लिए गंतव्यों तक ले जाना शामिल है । विभिन्न भाषाएँ, संस्कृतियों, लोक साहित्य, साहित्य, स्थल, घटनाएँ इत्यादि के विषय में जानने का सबसे अच्छा मार्ग पर्यटन है । साहित्यिक रचना पाठकों को यात्रा करने, स्थानीय आबादी के साथ रहने और एक निश्चित पर्यटन स्थल की संस्कृति को समझने के लिए प्रोत्साहित करता है और यात्रा के लिए प्रेरणा देने में एक निर्णायक भूमिका निभाती है ।

CO1: पर्यटन को विकसित कराना एवं बढ़ावा देना ।
ILO1: पर्यटन का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व को समझेंगे ।
ILO2: विश्व के कुछ महत्वपुर्ण देशों के बारे में जान सकेंगे ।
CO2: भरतीय पर्यटन क्षेत्र से परिचय कराना ।
ILO1: भारत वर्ष के कुछ महत्वपुर्ण पर्यटन स्थलों के बारे में जान सकेंगे ।
ILO2: असम के कुछ महत्वपुर्ण पर्यटन स्थलों से परिचित होंगे ।
CO3: पर्यटन में चिह्नित साहित्यिक स्थलों से परिचित कराना ।
ILO1: भारतीय पर्यटन में चिह्नित हिन्दी साहित्य के निर्माताओं के कर्मस्थल से परिचित होंगे ।
CO4: पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं से परिचित कराना ।

ILO1: पर्यटन की दृष्टि से अमूल्य भारत, प्रणाम पर्यटन, भारतीय रेल आदि पत्र-पत्रिकाओं के बारे में जान सकेंगे।

ILO2: पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित यात्रा-वृतांत से परिचित होंगे।

ILO3: यात्रा वृतांत 'परशुराम में तुरखम' के बारे में जान सकेंगे।

ILO4: यात्रा वृतांत 'तिब्बत में प्रवेश' के बारे में जान सकेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	▸ पर्यटन का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्त्व ▸ पर्यटन की दृष्टि से विश्व के महत्त्वपूर्ण देश (स्पेन, जर्मनी, इटली, जापान, अमेरिका)	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (15Marks)	▸ भारत में पर्यटन के महत्त्वपूर्ण स्थल (दिल्ली, आगरा, जयपुर, दार्जिलिंग, कन्याकुमारी, कोलकाता, वाराणसी) ▸ असम के महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल (गुवाहाटी, बरपेटा, शिवशगर, काजिरंगा राष्ट्रीय उद्यान, बरदोवा)	**11**	**01**	**-**	**12**
3 (15Marks)	▸ पर्यटन में चिन्हित साहित्यिक स्थल, जहाँ भारतीय एवं हिन्दी साहित्य के निर्माताओं का कार्यस्थल रहे हैं (इलाहाबाद, वाराणसी, कोलकाता, तेजपुर, दिल्ली)	**10**	**01**	**-**	**11**

4 (15Marks)	▸ पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ (अतुल्य भारत, प्रणाम पर्यटन, भारतीय रेल) ▸ पर्यटन की दृष्टि से प्रकाशित यात्रा-वृतांत : ▸ परशुराम में तुरखम (अज्ञेय) ▸ तिब्बत में प्रवेश (राहुल सांकृत्यायन)	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**41**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **TwoInternal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. ऐतिहासिक पर्यटन : डॉ. शिव चन्द्र सिंह रावत, डॉ. मनोज कुमार उनियाल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
2. भारत के पर्यटन स्थल : नीरज त्यागी, गौरव बूक सेंटर, नयी दिल्ली ।
3. पर्यटन सिद्धान्त और प्रबंधन : शिव स्वरूप सहाय, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. भारत में पर्यटन : राजेश कुमार व्यास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

****

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – AEC – 1 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : हिन्दी भाषा और व्याकरण

Course Code : AECHIN1
Nature of the Course : Ability Enhancement Course
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

भाषा हमारे जीवन का अभिन्न अंग है । इसके द्वारा ही हम अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं । भाषा के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है । जीवित प्राणियों में एक मनुष्य ही ऐसा है जो अपनी भाषा को संरक्षित रखा है । मनुष्यों में भी अलग-अलग देशों, प्रदेशों और प्रदेशों में भी अलग-अलग क्षेत्रों की अपनी भाषा होती है । भाषा जगत के कार्य-व्यापार एवं व्यवहार का मूल है । इस पत्र में भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया है । व्यक्ति जब भाषा का प्रयोग करता है तो उसे कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जैसे - उच्चारण की समस्या, लिंग निर्धारण की समस्या, वाक्यों के गठन, सम्प्रेषण आदि । इसी बात को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है ।

CO1: हिन्दी भाषा की बारीकियों से परिचित करना ।
ILO1: हिन्दी भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूपों से परिचित होंगे ।
ILO2: हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास को समझ सकेंगे ।
ILO3: हिन्दी भाषा की विशेषताओं के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा ।
CO2: हिन्दी भाषा का सही उच्चारण एवं सही शब्द प्रयोग के प्रति सचेत कराना ।
ILO1: स्वर एवं व्यंजन तथा उसके प्रकार और प्रयोग को समझेंगे ।
ILO2: ऊष्म वर्ण, अल्पप्राण, महाप्राण घोष-अघोष वर्णों से परिचित होंगे ।
CO3: हिन्दी शब्द व्यवहार से परिचित कराना ।
ILO1: पद, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, कारक आदि को जानेंगे ।
ILO2: शब्दस्रोत से परिचित होंगे ।
CO4: वाक्य, उपवाक्य, पत्र लेखन तथा विलोम शब्द और पर्यायवाची शब्द के व्यवहार को सिखाना ।
ILO1: वाक्य और उपवाक्य को पहचानेंगे ।
ILO2: पत्र लेखन की कला को सीखेंगे ।
ILO3: विलोम एवं पर्यायवाची शब्द के बारे में जान सकेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3,		

				CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	▸ भाषा की परिभाषा – प्रकृति एवं विविध रूप ▸ हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास ▸ हिन्दी भाषा की विशेषताएँ।	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15Marks)	▸ हिन्दी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन, प्रकार एवं प्रयोग, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष, अघोष।	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15Marks)	▸ शब्द व्यवहार : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, कारक ▸ शब्दस्रोत : तत्सम, उद्भव, देशज, विदेशज/आगत।	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15Marks)	▸ वाक्य व्यवस्था : वाक्य, उपवाक्य, स्वरूप एवं भेद। ▸ पत्र लेखन : औपचारिक एवं अनौपचारिक। ▸ विलोम शब्द एवं पर्यायवाची शब्द।	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M

CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना ।
2. हिन्दी भाषा : डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. हिन्दी भाषा, व्याकरण और रचना : अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
4. हिन्दी व्याकरण एवं सम्प्रेषण : डॉ. अलका वशिष्ठ, अजय गोयल, डॉ. नवकान्त दास, डॉ. मनोज कुमार कलिता, साहित्य सरोवर, आगरा ।
5. हिन्दी भाषा और व्याकरण : डॉ. जोनाली बरुवा और डॉ. मनोज कुमार कलिता, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

****

SEMISTER – I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – SEC – 1 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : मीडिया के लिए साक्षात्कार
Course Code : SECHIN1
Nature of the Course : Skill Enhancement Course
Total Credits : 3
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

साक्षात्कार मीडिया संकलन का एक प्रभावी तरीका है । एक तरह से मीडिया साक्षात्कार पर ही आधारित है । इसका उपयोग विशिष्ट प्रकार के मीडिया के लिए विशेष रूप में प्रयोग किया जाता है । वर्तमान समय में मीडिया की उपयोगिता, महत्त्व एवं भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है । प्रिंटिंग प्रेस, पत्रकारिता, इलेक्ट्रानिक माध्यम, रेडियो, सिनेमा, इन्टरनेट आदि सूचना के माध्यम आज के जीवन का एक अपरिहार्य आवश्यकता बन गया है । मीडिया आज रोजगार का सफल माध्यम साबित हो रहा है, ऐसी परिस्थिति में इस विषय को पाठ्यक्रम में रखना आवश्यक प्रतीत होता है ।

CO1: मीडिया एवं साक्षात्कार के बारे में ज्ञात कराना ।
ILO1: मीडिया एवं साक्षात्कार के बारे में जान सकेंगे ।
CO2: मीडिया और साक्षात्कर के प्रकार से परिचित कराना ।
ILO1: टी.वी और रेडियो से परिचय एवं उसके महत्व को समझ सकेंगे ।
ILO2: समाचार पत्र और सोशल मीडिया के प्रति रुचि बढ़ेंगे ।
CO3: मीडिया एवं अच्छे साक्षात्कार के बारे में जानकारी देना ।
ILO1: मीडिया और साक्षात्कार की प्रविधि से अवगत होंगे ।
ILO2: अच्छे साक्षात्कारक के गुणों के बारे में जान सकेंगे ।

CO4: साक्षात्कार लेने की प्रभावपूर्ण तरीका को सीखाना ।

ILO1: साक्षात्कार लेने की कला से परिचित होंगे ।

ILO2: प्रत्यक्ष साक्षात्कार के माध्यम से विद्यार्थी विशिष्ट व्यक्तियों के व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3	CO1, CO2, CO3	CO4	CO1, CO2, CO3		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3	CO1, CO2, CO3		CO1, CO2, CO3		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	▸ मीडिया एवं साक्षात्कार का स्वरूप ▸ मीडिया में साक्षात्कार का महत्त्व	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (15Marks)	मीडिया में साक्षात्कार के प्रकार : ▸ टी. वी. ▸ रेडियो ▸ समाचार पत्र ▸ सोशल मीडिया	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (15Marks)	▸ मीडिया में साक्षात्कार की प्रविधि ▸ अच्छे साक्षात्कारक के गुण	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (15Marks)	व्यावहारिक : (**Practical)** ▸ साहित्य एवं समाज के साथ जुड़े आंचलिक अथवा स्थानीय विशिष्ट व्यक्तियों का साक्षात्कार ग्रहण	**5**	**01**	**6**	**12**
	Total	**35**	**4**	**6**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. इलेक्ट्रानिक मीडिया भाषा लेखन कला तथा तकनीकी प्रविधि : डॉ. माया सगरे लक्का, विकास प्रकाशन, कानपुर ।
2. इलेक्टानिक मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी : डॉ. यू. सी. गुप्ता, अर्जुन, पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
3. इलेक्ट्रानिक मीडिया : डी. एस. आलोक ।
4. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और न्यू मीडिया : संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

****

SEMISTER – II
HINDI HONOURS (CORE COURSE)
COURSE – HIN – 2 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)
Total Marks – 100 (Th – 60 + IA – 40)

Title of the Course : हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल
Course Code : **HINC2**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **80 (End Sem) + 20 (In-Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य का रीतिकाल समय 1650 ई. से 1850 ई. तक माना जाता है जिसका उदय का कारण जनता की रुचि नहीं, बल्कि आश्रय दाताओं की रुचि थी । रीतिकालीन काव्य में लक्षण ग्रंथ, शृंगारिकता, नायिका भेद, अलंकार आदि की जो प्रवृत्तियाँ मिलती है उसकी परंपरा संस्कृत साहित्य से चली आ रही थी । इस काव्य की शृंगारी प्रवृत्तियों की पुरानी परंपरा के स्पष्ट संकेत संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, फारसी और हिन्दी के आदिकाव्य तथा कृष्णकाव्य की शृंगारिक प्रवृत्तियों में मिलती है । अतः

इस काल के विषय में सम्यक अनुशीलन करना तथा जानकारी हासिल करना विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त आवश्यक हो जाता है।

C0-1 हिन्दी साहित्य के रीतिकाल से परिचित कराना।

ILO1: रीतिकाल के नामकरण की समस्या से अवगत होंगे।

ILO2: रीतिकालीन परिस्थितियों को समझेंगे।

ILO3: हिन्दी रीति काव्य के मूल प्रेरणा स्रोत को जान पायेंगे।

CO2: रीतिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों एवं रीति निरूपण से परिचित कराना।

ILO1: रीतिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

ILO2: रीति कवि के रीति निरूपण के बारे में जान सकेंगे।

ILO3: रीति ग्रंथों की परम्परा और उसमें केशवदास के महत्व को समझेंगे।

CO3: रीतिकालीन काव्य की प्रमुख धाराओं से परिचित कराना।

ILO1: रीतिबद्ध काव्य धारा से परिचित होंगे।

ILO2: रीतिसिद्ध काव्य धारा से परिचित होंगे।

ILO3: रीति मुक्त काव्य धारा से परिचित होंगे।

CO4: रीतिकाल के प्रमूख कवि और काव्यगत विशेषताओं के बारे में जानकारी देना।

ILO1: बिहारी, देव और उनकी काव्यगत विशेषताओं को समझेंगे।

ILO2: भूषण, घनानंद से परिचय एवं उनकी काव्यगत विशेषताओं को समझेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours

1 (15Marks)	▸ रीतिकाल का नामकरण ▸ रीतिकालीन परिस्थितियाँ ▸ हिन्दी रीतिकाव्य के मूल प्रेरणा स्त्रोत	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15Marks)	▸ रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ▸ रीति कवि का रीति निरूपण ▸ हिन्दी के रीति ग्रन्थों की परंपरा और आचार्य केशवदास	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15Marks)	रीतिकालीन काव्यधारा : ▸ रीतिबद्ध ▸ रीतिसिद्ध ▸ रीतिमुक्त	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15Marks)	▸ रीतिकाल के प्रमुख कवि एवं उनकी काव्यगत विशेषताएँ ▸ बिहारी ▸ देव ▸ भूषण ▸ घनानन्द	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, आगरा ।

****

SEMISTER – II
HINDI HONOURS (CORE COURSE)
COURSE – MN – 2 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)
Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : राजभाषा हिन्दी
Course Code : MINHIN2
Nature of the Course : Minor
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

भारतीय संविधान में हिन्दी को राजभाषा का गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त होने के कारण हिन्दी का प्रयोजनमूलक रूप अत्यधिक उपयोगी तथा सक्रिय होने के साथ उसके प्रगामी प्रयोग की अनेक दिशाएँ उद्घाटित हुई है । अतः राजभाषा हिन्दी के बारे में भारत के संविधान तथा उसके प्रावधान के अंतर्गत निर्मित अधिनियमों, राष्ट्रपति आदेशों तथा अन्य कानूनी प्रावधानों के बारे में विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त होना आवश्यक हो जाता है । इसी बात को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है ।

CO1: हिन्दी भाषा के विविध रूपों से परिचित कराना ।
ILO1: बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क एवं माध्यम भाषा को समझेंगे ।
ILO2: राजभाषा और राष्ट्रभाषा के अंतर को समझेंगे ।
CO2: राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना ।
ILO1: राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से परिचित होंगे ।
ILO2: संविधान में राजभाषा प्रावधान की विशिष्टाओं की जानकारी मिलेगी ।
CO3: राजभाषा आयोग एवं अधिनियमों को अवगत कराना ।
ILO1: राजभाषा आयोग-1955 से परिचित होंगे ।
ILO2: राजभाषा अधिनियम- 1963 से परिचित होंगे ।
ILO3: राजभाषा संकल्प- 1968 से परिचित होंगे ।
ILO4: राजभाषा नियम-1976 से परिचित होंगे ।
CO4: हिन्दी के प्रयोग में राष्ट्रपति के आदेश, राजभाषा का विकास एवं वर्तमान स्थिति के बारे में ज्ञात कराना ।
ILO1: हिन्दी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति आदेश 1952, 1955,1960 के बारे में जान सकेंगे ।
ILO2: राजभाषा हिन्दी के विकास की विविध दिशाओं को समझ सकेंगे ।
ILO3: राजभाषा हिन्दी की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी मिलेगी ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create

Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	▸ हिन्दी भाषा के विविध रूप : बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा ▸ राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15Marks)	राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति : ▸ संघ की राजभाषा (343), राजभाषा के लिए संसद का आयोग और समिति (344), राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ (345), भाषा संबंधी विधियों को अधिनियमित करने के लिए विशेष प्रक्रिया (349), विशेष निदेश (350), हिन्दी भाषा के विकास के लिए निदेश (351) ▸ संविधान में राजभाषा प्रावधान की विशिष्टताएँ	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15Marks)	▸ राजभाषा आयोग – 1955 ▸ राजभाषा अधिनियम 1963 ▸ राजभाषा संकल्प 1968 ▸ राजभाषा नियम 1976	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15Marks)	▸ हिन्दी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति के आदेश – 1952 , 1955, 1960 ▸ राजभाषा हिन्दी के विकास की विविध दिशाएँ, उपलब्धियाँ ▸ वर्तमान समय में राजभाषा हिन्दी की स्थिति और अपेक्षा	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. कार्यालयी हिन्दी : डॉ. विजयपाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के नए आयाम : डॉ. पंडित बन्ने, अमन प्रकाशन, कानपुर ।

****

SEMISTER – II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – GEC – 2 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : सृजनात्मक लेखन
Course Code : GECHIN2
Nature of the Course : Generic Elective Course
Total Credits : 3
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

सृजनात्मक लेखन विद्यार्थियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण पाठ्यक्रम है । इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी की प्रतिभा में निखारता आयेगी तथा उनकी कल्पनाशक्ति अधिक विकसित होगी । उन्हें कला, साहित्य, विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में मौलिक उपस्थापना करने में शक्ति मिलेगी ।

विद्यार्थियों का मानसिक विकास होगा और काव्य, कहानी, उपन्यास, लघु कथा, फिल्म आदि विधाओं में नवीनता लाने में प्रेरणा एवं सुविधा होगी।

CO1: सृजन की अवधारणा से परिचित कराना।

ILO1: सृजन और सर्जक, कल्पना, बिम्ब आदि से परिचय और विचारधाराओं का समझ होंगे।

ILO2: सृजनात्मकता का अर्थ एवं परिभाषा को जानेंगे।

ILO3: सृजनात्मक लेखन की परिभाषा, स्वरूप, महत्व और उद्देश्य के बारे में जानकारी मिलेगी।

CO2: सृजनात्मक लेखन के विविध रूपों के बारे में जानकारी देना।

ILO1: कहानी लेखन की कला को सीखेंगे।

ILO2: लघु-कथा लेखन के माध्यम से अपनी सृजनात्मक क्षमता को बढ़ायेंगे।

ILO3: उपन्यास लेखन की कला से अवगत होंगे।

CO3: काव्य, एकांकी, प्रहसन आदि के माध्यम से सृजनात्मक प्रतिभा का विकास कराना।

ILO1: काव्य लेखन की कला से परिचित होंगे।

ILO2: एकांकी एवं प्रहसन लेखन की कला से परिचित होंगे।

CO4: माध्यम लेखन के प्रति प्रेरित कराना।

ILO1: धारावाहिक, फिल्म संवाद और कार्टून लेखन के प्रति आकर्षित होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours

1 (15Marks)	▸ सृजन की अवधारणा : सृजन और सर्जक, सृजन और कल्पना, सृजन और बिम्ब, सृजन और विचारधाराएँ ▸ सृजनात्मकता का अर्थ और परिभाषा ▸ सृजनात्मक लेखन की परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (15Marks)	सृजनात्मक लेखन के विविध रूप **:** ▸ कहानी लेखन ▸ लघु कथा लेखन ▸ उपन्यास लेखन	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (15Marks)	▸ काव्य लेखन ▸ एकांकी एवं प्रहसन लेखन	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (15Marks)	▸ धारावाहिक लेखन ▸ फिल्म संवाद लेखन ▸ कार्टून	**11**	**01**	**-**	**12**
	Total	**41**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. रचनात्मक लेखन : स. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।
2. रचनात्मक लेखन : हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह, तरुण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. सृजनात्मक लेखन : राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. संचार भाषा हिन्दी : सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. लेखन कला एक परिचय : मधु धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

****

SEMESTER – II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – SEC – 2 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	कम्प्यूटर अनुप्रयोग
Course Code	**:**	**SECHIN**2
Nature of the Course	**:**	**Skill Enhancement Course**
Total Credits	**:**	**3**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

आधुनिक युग सूचना और प्रौद्योगिकी का युग है, जिसमें कम्प्यूटर, इन्टरनेट, ई-मेल, सॉफ्टवेर, वैबसाइट आदि का उपयोग अनिवार्य हो गया है । अतः हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर का प्रौद्योगिकी का ज्ञान होना भी आज के विद्यार्थियों के लिए परम आवश्यक हो गया है । इसे ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पाठ्यक्रम बनाया गया है । इस पत्र को पढ़ने से सरकारी कार्यालयों में कामकाज करने में आसानी होगी ।

CO1: कम्प्यूटर में हिन्दी के प्रयोग के बारे में जानकारी देना ।

ILO1: कम्प्यूटर में हिन्दी के आगमन के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: कम्प्यूटर में देवनागरी के प्रयोग एवं उपयोगिता के बारे में सीखेंगे ।

CO2: कम्प्यूटर में हिन्दी और देवनागरी लिपि में ई-मेल के व्यवहार को सीखाना ।

ILO1: देवनागरी लिपि में ई-मेल पर संदेश भेजना सीख सकेंगे ।

ILO2: कम्प्यूटर में हिन्दी की सुविधाएँ और चुनौतियों के बारे में ज्ञात होंगे और उचित प्रयोग को सीखेंगे ।

CO3: कम्प्यूटर का व्याहारिक ज्ञान दिलाना ।

ILO1: कम्प्यूटर पर देवनागरी लिपि में टाइप करना सीख सकेंगे ।

ILO2: कम्प्यूटर में देवनागरी लिपि में टंकण से लाभान्वित होंगे ।

CO4: कम्प्यूटर पर व्याहारिक रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित कराना ।

ILO1: व्यावहारिक रूप में हिन्दी वेबपेज निर्माण को सीखेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2	CO1, CO2	CO3, CO4			

Conceptual Knowledge	CO1, CO2	CO1, CO2				
Procedural Knowledge						
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	▸ कम्प्यूटर में हिन्दी का आगमन ▸ कम्प्यूटर में देवनागरी का प्रयोग एवं उपयोगिता	**9**	**01**	**-**	**10**
2 (15Marks)	▸ ईमेल, देवनागरी लिपि में ईमेल का प्रयोग ▸ कम्प्यूटर में हिन्दी : सुविधाएँ, चुनौतियाँ और भविष्य	**9**	**01**	**-**	**10**
3 (15Marks)	व्यावहारिक (**Practical)** ▸ कम्प्यूटर में देवनागरी लिपि टंकण	**5**	**01**	**6**	**12**
4 (15Marks)	व्यावहारिक (**Practical)** ▸ हिन्दी वेबपेज निर्माण	**5**	**01**	**7**	**13**
	Total	**38**	**4**	**13**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतीकरण और भाषा सिद्धान्त : पी. के. शर्मा, डायनामिक पब्लिकेशन, नयी दिल्ली ।

****

SEMESTER – III
HINDI HONOURS (CORE COURSE)
COURSE – HIN – 3 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)
Total Marks – 100 (Th – 60 + IA – 40)

Title of the Course : हिन्दी साहित्य : भारतेन्दु से छायावादी कविता तक
Course Code : **HINC3**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरूरी है । इस पाठ के तीन खंड होंगे – भारतेन्दु युगीन कविता, द्विवेदी युगीन कविता और छायावादी कविता । हिन्दी की साहित्यिक गतिविधियों की विकास-यात्रा में विभिन्न पड़ावों को जाने बिना उसका मूल्यांकन करना संभव नहीं है । इसे ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके ।

CO 1: भारतेन्दु-पूर्व काव्यधारा की पृष्ठभूमि तथा भारतेन्दुयुगीन परिस्थितियाँ और राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से परिचित कराना ।

ILO 1: भारतेन्दु-पूर्व काव्यधारा की पृष्ठभूमि से परिचित होंगे ।

ILO 2: भारतेन्दुयुगीन विभिन्न परिस्थितियों के बारे में जान सकेंगे ।

ILO 3: भारतीय राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से परिचित होंगे तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति सचेत होंगे ।

CO 2: भारतेन्दुयुगीन काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं पर प्रकाश डालना ।

ILO1 : भारतेन्दुयुगीन प्रमुख काव्यधारा से परिचित होंगे ।

ILO2 : भारतेन्दुयुगीन प्रमुख कवि एवं उनकी साहित्यिक रचनाओं को समझ सकेंगे ।

CO 3: द्विवेदीयुगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं से परिचित कराना ।

ILO1 : द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों के बारे में ज्ञात होंगे ।

ILO2 : द्विवेदीयुगीन कवि और उनकी प्रमुख रचनाओं को समझ सकेंगे ।

CO 4 : छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौन्दर्य से परिचित कराना ।

ILO1 : छायावाद की परिभाषा, स्वरूप और नामकरण के बारे में जानकारी मिलेगी ।

ILO2: छायावादी काव्य की विशेषताएँ जान सकेंगे ।

ILO3: छायावादी कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाओं से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create

Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	▸ भारतेन्दु-पूर्व काव्यधारा (पीठिका) ▸ भारतेन्दुयुगीन परिस्थितियाँ (राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, साहित्यिक) ▸ भारतीय राष्ट्रीय नवचेतना : सांस्कृतिक जागरण	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15Marks)	▸ भारतेन्दुयुगीन काव्यधारा : सामाजिक चेतना, भक्ति भावना, राष्ट्रीय चेतना, समस्या पूर्ति ▸ भारतेन्दुयुगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ (भारतेन्दु, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन', प्रताप नारायण मिश्र, जगमोहन सिंह, अम्बिकादत्त व्यास, राधाकृष्ण दास)	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15Marks)	▸ द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ▸ द्विवेदीयुगीन प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ (महावीर प्रसाद द्विवेदी, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी)	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15Marks)	▸ छायावाद : परिभाषा और स्वरूप, नामकरण ▸ छायावादी काव्य की विशेषताएँ ▸ छायावादी कवि और उनकी रचनाएँ (जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा)	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Tow Internal Examination - 20 Marks**

- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, आगरा ।

****

SEMESTER – III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 4 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : हिन्दी साहित्य : प्रगतिवाद से 20 वीं शताब्दी तक
Course Code : **HINC4**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरूरी है । 20 वीं शताब्दी भारत के लिए उथल-पुथल का समय रहा है जिसमें प्रत्येक क्षेत्र में बदलाव देखने को मिलता है । साहित्यिक दृष्टि से इस युग में जितना परिवर्तन हुआ उतना पिछले सौ वर्षों में भी नहीं हुआ था । आजादी की लड़ाई और आजादी के बाद राजनीति से मोहभंग, राजनीतिक दासता, पूंजीवाद और सामंतवाद के प्रति विद्रोही स्वर और रूस में प्रतिष्ठित साम्यवाद और पश्चिमी देशों में फैलता उसका

प्रभाव इस युग की कविताओं में देखने को मिलती है। साहित्य में होने वाले ऐसे परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए इस पत्र को पाठ्यक्रम में रखा गया है।

CO 1: छायावादोत्तर काव्य के परिदृश्य से परिचित कराना।

ILO 1: छायावादोत्तर काव्य परिदृश्य से परिचित होंगे।

ILO 2: छायावादोत्तर कविता की भूमिका के बारे में सम्यक जानकारी मिलेगी।

ILO 3: छायावादी कवि निराला और पंत के उत्तर छायावादी यात्रा को समझ सकेंगे।

CO2: छायावादोत्तर काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ**,** इस युग के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं से परिचित कराना।

ILO1 : छायावादोत्तर काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों के बारे में जान सकेंगे।

ILO2 : राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी कविताओं से परिचित होंगे।

ILO 3: प्रेम और मस्ती के काव्य और कवि से परिचित होंगे।

CO3: प्रगतिवादी और प्रयोगवादी काव्यधारा के वैचारिक आधार और अभिप्राय का सम्यक जानकारी देना।

ILO1 : प्रगतिवादी काव्यधारा का वैचारिक आधार और अभिप्राय जान सकेंगे।

ILO2 : निराला के काव्य में प्रगतिवादी चेतना के बारे में ज्ञात होंगे।

ILO 3: प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ और तारसप्तक के कवि से परिचित होंगे।

CO4 : नयी कविता, समकालीन कविता और साठोत्तरी कविताओं का सम्यक जानकारी देना।

ILO1 : नयी कविता की प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि से परिचित होंगे।

ILO2: समकालीन या साठोत्तरी कविता और प्रमुख कवि से परिचित होंगे।

ILO3: नयी कविता और साठोत्तरी कविता के अंतर समझ होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	▸ छायावादोत्तर काव्य परिदृश्य ▸ छायावादोत्तर कविता की भूमिका ▸ छायावादोत्तर कविता में यथार्थ दृष्टि के उदय का स्वरूप (निराला की यथार्थ दृष्टि सम्पन्न कविताएं, पंत का उत्तर छायावादी काव्य)	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15Marks)	▸ छायावादोत्तर काव्यधारा : प्रवृत्तियाँ ▸ छायावादोत्तर राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ (माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', रामधारी सिंह 'दिनकर') ▸ छायावादोत्तर प्रेम और मस्ती का काव्य और प्रमुख कवि (हरिवंशराय बच्चन, भगवतीचरण वर्मा, रामेश्वर शुक्ल 'अंचल')	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15Marks)	▸ प्रगतिवादी काव्यधारा एवं प्रमुख कवि (केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, शिवमंगल सिंह 'सुमन') ▸ निराला के काव्य में प्रगतिवाद ▸ प्रयोगवादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ▸ 'तारसप्तक' के कवि	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15Marks)	▸ नयी कविता : ऐतिहासिक परिदृश्य ▸ नयी कविता की प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि (धर्मवीर भारती, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, केदान नाथ सिंह) ▸ समकालीन या साठोत्तरी कविता और प्रमुख कवि (दुष्यंत कुमार, धूमिल, लीलाधर जुगड़ी) ▸ नयी कविता और साठोत्तरी कविता	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7

CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. छायावादोत्तर कविता : डॉ. मनोज कुमार कलिता एवं अमृत चन्द्र कलिता, साहित्य सरोवर, आगरा ।

****

SEMESTER – III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – MN – 3 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : स्थानीय भाषा के साहित्य का देवनागरी लिपि में अध्ययन
Course Code : MINHIN3
Nature of the Course : Minor
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

असम के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के साथ-साथ असमीया साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरूरी है । असमीया साहित्य के प्राचीन कवि शंकरदेव, माधवदेव आदि की रचनाओं से परिचय जब तक नहीं होगा, तब तक विद्यार्थियों का ज्ञान अधूरा माना जाएगा । असमीया साहित्य के प्रमुख आधुनिक साहित्यकार नलिनीबाला देवी, देवकान्त बरुवा, डॉ. नगेन शइकीया, मामणि रायसम गोस्वामी, भवेन्द्रनाथ शइकीया आदि के साहित्य के बारे में भी जानना जरूरी है । इसे ध्यान में रखते हुए इस पत्र को पाठ्यक्रम में रखा गया है ।

CO1: असमीया सहित्य के पुरोधा कवियों से परिचित कराना ।

ILO 1: प्राचीन कवि शंकरदेव और माधवदेव की कविताओं से परिचित होंगे ।

ILO 2: आधुनिक कवयित्री नलिनीवाला देवी और कवि देवकान्त बरूवा की कविताओं से परिचित होंगे।

CO 2: असमीया नाट्य साहित्य से परिचित कराना।

ILO1 : शंकरदेव की नाट्य प्रतिभा को जान पायेंगे।

ILO2: 'रुक्मिणी हरण' के माध्यम से असमीया भक्ति साहित्य को समझ सकेंगे।

CO 3: असमीया कहानी साहित्य से परिचित कराना।

ILO1 : नगेन शइकीया की कहानी 'स्टाफ फटोग्राफारर छवि' का रसास्वादन करेंगे।

ILO2 : मामणि रयसम गोस्वामी की कहानी 'युद्ध' का रसास्वादन करेंगे।

CO 4 : असमीया निबंध साहित्य से परिचित कराना।

ILO1 : ज्योतिप्रसाद अगरवाला के निबंध साहित्य से परिचित होंगे।

ILO2 : कृष्णकांत संदिकै के निबंध साहित्य से परिचित होंगे।

ILO3: सत्यनाथ बरा के निबंध साहित्य से परिचित होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यपुस्तक : असमीया साहित्य मंजरी : (सं) डॉ. जोनाली बरुवा, अमृत चन्द्र कलिता, डॉ. मनोज कुमार कलिता,

हंस प्रकाशन, नयी दिल्ली।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	प्राचीन और आधुनिक कविता : ▸ पावे परि हरि करहो कातरि, गोपाले कि गति कोइले (शंकरदेव)	**14**	**01**	**-**	**15**

	▸ कोटोरा खेलाई हरि ए, परभाते श्यामकानू धेनु लोइया संगे (माधवदेव) ▸ परम तृष्णा (नलिनीबाला देवी) ▸ मोर देश मानुहर देश (देवकान्त बरुवा)				
2 (15Marks)	नाटक : ▸ रुक्मिणी हरण (शंकरदेव)	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15Marks)	कहानी : ▸ स्टाफ फटोग्राफारर छवि (नगेन शइकीया) ▸ युद्ध (मामणि रयसम गोस्वामी) ▸ गह्वर (भवेन्द्रनाथ शइकीया)	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15Marks)	निबंध : ▸ भावीकालर संस्कृति (ज्योतिप्रसाद आगरवाला) ▸ जार्मेनीर ज्ञान साधना (कृष्णकान्त सन्दिकै) ▸ जीवनर अमिया (सत्यनाथ बरा)	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. असमीया साहित्यर समीक्षात्मक इतिवृत्त : डॉ. सत्येन्द्रनाथ शर्मा, सौमर प्रकाशन, गुवाहाटी ।
2. आधुनिक असमीया साहित्यर अभिलेख : सं. अध्यापक नगेन शइकीया, असम साहित्य सभा, जोरहाट ।

****

SEMESTER – III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)
HINDI HONOURS (CORE COURSE)
COURSE – GEC – 3 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)
Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : साहित्य और सिनेमा
Course Code : GECHIN3
Nature of the Course : Generic Elective Course
Total Credits : 3
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

भारतीय सिनेमा की शुरुआत सन् 1913 से मानी जाती है। सिनेमा समाज को वैचारिक रूप से मजबूती भी प्रदान करता है। सबसे लोकप्रिय कला माध्यम के रूप में हम सिनेमा को देखते हैं। फिल्में समाज और समय का जीवन्त दस्तावेज़ होती है। सिनेमा रोजगार का एक माध्यम भी बन गया है। अतः इस पत्र का प्रमुख उद्देश्य हिन्दी के विद्यार्थियों के माध्यम से भारतीय समाज में अपनी संस्कृति और देश के प्रति अनुराग का भाव जगाना है।

CO1: साहित्य की परिभाषा एवं महत्व, विभिन्न विधाओं और उपकरण की जानकारी देना।
ILO1: साहित्य की परिभाषा और महत्व की जानकारी मिलेगी।
ILO2: साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
ILO3: साहित्य के उपकरण भाव, कल्पना एवं शैली समझ सकेंगे।
CO2: सिनेमा की अवधारणा तथा प्रकार को अवगत कराना।
ILO1: सिनेमा की परिभाषा और उद्देश्य के बारे में ज्ञात होंगे।
ILO2: सिनेमा के विभिन्न प्रकारों के बारे में जान सकेंगे।
ILO3: हिन्दी सिनेमा के इतिहास से परिचित होंगे।
CO3: साहित्य और सिनेमा में समानता एवं अंतर अवगत कराना तथा हिन्दी साहित्यकार की कृतियों पर बनी कुछ चुनी हुई फिल्मों पर प्रकाश डालना।
ILO1: साहित्य और सिनेमा के समानता एवं अंतर से अवगत होंगे
ILO2: प्रमुख हिन्दी साहित्यकारों की कृतियों पर बनी फिल्मों से परिचित होंगे।
CO4: हिन्दी भाषा से इतर भाषाओं की सिनेमा का परिचयात्मक इतिहास पर प्रकाश डालना।
ILO1: असमीया सिनेमा और बांग्ला सिनेमा के बारे में जानकारी मिलेगी।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual	CO1, CO2,	CO1, CO2,		CO1,		

Knowledge	CO3, CO4	CO3, CO4		CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	▸ साहित्य की परिभाषा एवं महत्त्व ▸ साहित्य की विधाएँ : कहानी, उपन्यास, नाटक ▸ साहित्य के उपकरण : भाव, कल्पना, बुद्धि एवं शैली	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (15Marks)	▸ सिनेमा परिभाषा एवं उद्देश्य ▸ फिल्मों के प्रकार : फीचर फिल्म, डाक्यूमेंट्री फिल्म, टेली फिल्म, एनीमेशन फिल्म, कार्टून फिल्म ▸ हिन्दी सिनेमा का इतिहास	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (15Marks)	▸ साहित्य और सिनेमा में समानता एवं अंतर ▸ प्रमुख हिन्दी साहित्यकारों की कृतियाँ और उन पर बनी फिल्में (कमलेश्वर (काली आँधी), यशपाल (झूठा सच), कृष्ण सोबती (जिन्दगीनामा), फणीश्वरनाथ रेणु (तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम)	**10**	**01**	**-**	**12**
4 (15Marks)	▸ हिन्दी भाषा से इतर भाषाओं की सिनेमा का परिचयात्मक इतिहास : असमीया सिनेमा और बांग्ला सिनेमा	**10**	**01**	**-**	**11**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7

	1						
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. सिनेमा और हिन्दी सिनेमा : अरुण कुमार, राजस्थान पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि., जयपुर ।
2. सिनेमा पढ़ने के तरीके : विष्णु खरे, प्रवीण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. भारतीय सिनेमा का अन्तःकरण :विनोद दास, मेधा बुक्स, दिल्ली ।
4. भारतीय सिनेमा सामज के आईने में, श्याम सुन्दर चौधरी, समय प्रकाशन, दिल्ली ।

****

SEMESTER – III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – SEC – 3 (CREDIT – 3) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : अनुवाद कौशल
Course Code : SECHIN3
Nature of the Course : Skill Enhancement Course
Total Credits : 3
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

आधुनिक युग में मानव की सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक जरूरत के साथ-साथ कार्यालयीन कामकाज की आवश्यक शर्त बन गया है । अतः अनुवाद की प्रविधि एवं प्रयोग की विस्तृत चर्चा आवश्यक है । आज के वैज्ञानिक युग में अनुवाद का प्रयोजन संकुचित धरातल से हटकर बहुआयामी परिप्रेक्ष्य में उजागर हो रहा है । आधुनिक युग में जहाँ ज्ञान-विज्ञान के नए-नए क्षेत्र खुल रहे हैं, कम्प्यूटर तकनालॉजी की होड़ सी लग रही है, वहाँ अनुवाद की महत्ता भी स्वयं सिद्ध होने लगी है । ऐसे में विद्यार्थियों को अनुवाद प्रविधि एवं प्रयोग के बारे में ज्ञानार्जित करना प्रायः अनिवार्य बन गया है । इस बात को ध्यान में रखकर इस पत्र को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है ।

CO1: अनुवाद के स्वरूप और क्षेत्र के बारे में जानकारी देना ।

ILO1: अनुवाद के अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र जान सकेंगे ।

ILO2: साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद समझ सकेंगे ।

CO2: अनुवाद की प्रयोजनीयता, प्रक्रिया एवं प्रविधियों की जानकारी देना ।

ILO1: वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनुवाद की प्रयोजनीयता की समझ विकसित होगी।

ILO2: अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि का समझ होंगे।

CO3: भाषा शिक्षण और अनुवाद तथा अनुवाद में त्रुटियाँ, पुनरीक्षण, अनुवाद का मूल्यांकनपर प्रकाश डालना ।

ILO1: भाषा शिक्षण और अनुवाद से परिचित होंगे।

ILO2: अनुवाद की त्रुटियाँ, पुनरीक्षण और अनुवाद का मूल्यांकन कर पाने की क्षमता वृद्धि होगी।

CO4: परियोजना प्रस्तुतिकरण की प्रक्रिया को सीखना।

ILO1: हिन्दी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करने के लिए प्रेरित होंगे।

ILO2: अच्छे अनुवादक बनने की इच्छा जागृत होगी।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3	CO1, CO2, CO3	CO4	CO1, CO2, CO3		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3	CO1, CO2, CO3		CO1, CO2, CO3		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15Marks)	▸ अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र ▸ अनुवाद के प्रकार (साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद)	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (15Marks)	▸ अनुवाद की प्रयोजनीयता ▸ अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (15Marks)	▸ भाषा शिक्षण और अनुवाद ▸ अनुवाद में त्रुटियाँ, पुनरीक्षण, अनुवाद का मूल्यायन	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (15Marks)	परियोजना (**Project)** ▸ साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद : हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी	**-**	**01**	**10**	**12**

	Total	30	4	10	45

Where, ***L: Lectures*** ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशा, नयी दिल्ली ।
3. अनुवाद कला सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया,
4. प्रारम्भिक अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त और प्रयोग : अवधेश मोहन गुप्त, विक्रांत पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
5. अनुवाद भाषाएँ- समस्याएँ : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञान गंगा प्रकाशन, दिल्ली ।

****

SEMESTER – IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 5 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता
Course Code : **HINC 5**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

आदिकाल हिन्दी साहित्य के इतिहास का प्रारम्भिक चरण है। आदिकाल में हमें कई काव्य रूपों का विकास दिखाई पड़ता है जिस पर तत्कालीन परिस्थितियों का प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। इतिहास में आदिकाल और मध्यकाल की कल्पना व्यक्ति और समाज के जीवन की समस्त प्रवृत्तियों के आधार पर की गयी है। इन प्रवृत्तियों में ह्रास और पुनरुत्थान भी देखी जाती है। अतः इस काल के कवियों की रचनाओं को जाने बिना उस युग का मूल्यांकन करना संभव नहीं है। इसलिए इस काल की कविताओं का अध्ययन करना विद्यार्थियों के लिए आवश्यक हो जाता है। इसी बात का ध्यान रखते हुए पाठ्यक्रम में इस पत्र को रखा गया है।

CO 1 : आदिकालीन हिन्दी कवि तथा उनकी कविताओं से परिचित कराना।

ILOI: आदिकालीन हिन्दी कवि विद्यापति और उनकी कविताओं से परिचित होंगे।

ILO2: कवयित्री मीराबाई और उनकी कविताओं की जानकारी मिलेगी।

ILO3: रसखान की कविताओं से परिचित होंगे।

CO 2 : मध्यकालीन हिन्दी कवि तथा उनकी कविताओं से परिचित कराना।

ILO1: कबीरदास और उनकी कविताओं से परिचित होंगे।

ILO2: जायसी का बारहमासा के पदों के बारे में जानकारी मिलेगी।

CO 3 : सूरदास और तुलसीदास की कविताओं पर प्रकाश डालना।

ILO1: सूरदास के पदों से परिचित होंगे।

ILO2: तुलसीदास के 'विनय पत्रिका' के पदों के बारे में जान सकेंगे।

CO 4 : केशवदास के रामचन्द्रिका से परिचित कराना।

ILO1: केशवदास के रामचन्द्रिका के बारे में जान सकेंगे।

ILO2: बिहारी के कुछ चुने हुए दोहों के माध्यम से उनकी भक्ति और नीति समझ पायेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यपुस्तक : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता : (सं) डॉ. जोनाली बरुवा और डॉ. मनोज कुमार कलिता, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ विद्यापति : 1. माधव, कत तोर करब बड़ाई, 2. नंदक नन्दन कदम्बेरि तरु-तर, 3. सैसब जौबन दुहु मिलि गेल, ▸ मीराबाई : 1. पतियाँ मैं कैसे लिखूँ, 2. पायो जी मैं रामरतन धन पायो, 3. घायल री गति घायल जाण्या ▸ रसखान : 1. मानुष हों तो वही रसखानि, 2. संभु धरै ध्यान जाको जपत, 3. कंचन-मंदिर ऊँचे बनाइ कै मानिक	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ कबीरदास : 1. दुलहनी गवाहु मंगलचार, 2. माया महा ठगिनी हम जानी, 3. एक नियंजन अलह मेरा, हिन्दू तुरक दहूँ नहीं मेरा ▸ जायसी : नागमती वियोग खंड – बरहमासा : प्रथम (10) पद	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ सूरदास : 1. चरन-कमल बंदौ हरि-राइ, 2. अबिगति-गति कछु क़हत न आवै, 3. अब कै राखि लेहु भगवान, 4. मैया री, मोहि माखन भावे ▸ तुलसीदास : विनय पत्रिका : 1. माधव ! मो समान जग माही, 2. माधव ! मोह-फाँस क्यों टूटै, 3. विश्वास एक राम नामको, 4. ऐसे को उदार जग माही	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ केशवदास : रामचन्द्रिका (बालकांड) : 1. बालक मृनालनि ज्यों तोरी डारै सब काल, 2. कवि कुल, विद्याधर, सकल कलाधर, 3. मूलन ही की जहाँ अधोगति केसब गाइय, 4. को है दमयंती रति राति-दिन ▸ बिहारी : प्रथम **(10)** दोहा	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. सूरदास ग्रंथावली : किशोरिलाल गुप्त, लोक्भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. कबीर ग्रंथावली : (स.) श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।
3. बिहारी सतसई : (सं) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, वाराणसी ।
4. रामचंद्रिका : (सं) रामचन्द्र तिवारी, संजय बूक सेन्टर, वाराणसी ।
5. रसखान ग्रंथावली : प्रो. देवराज सिंह भाटी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।
6. विनय पत्रिका : गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
7. जायसी ग्रंथावली : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

****

SEMESTER – IV
HINDI HONOURS (CORE COURSE)
COURSE – HIN – 6 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)
Total Marks – 100 (Th – 60 + IA – 40)

Title of the Course : हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास
Course Code : HINC 6
Nature of the Course : Major
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य साहित्य से परिचय होना जरूरी है । गद्य साहित्य के इतिहास अध्ययन के बिना युगीन परिस्थितियों एवं गद्य साहित्य के विभिन्न विधाओं से परिचय होना संभव नहीं है । इसे ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके ।

CO 1: हिन्दी गद्य साहित्य की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी देना ।
ILO1: हिन्दी गद्य साहित्य के उद्भव-विकास और युगीन परिस्थितियों से परिचित होंगे ।
CO 2: हिन्दी कहानी साहित्य और उपन्यास साहित्य की जानकारी देना ।
ILO1: हिन्दी कहानी साहित्य का उद्भव-विकास के बारे में जान सकेंगे ।

ILO2: हिन्दी उपन्यास साहित्य का उद्भव-विकास से परिचित होंगे ।

CO 3: हिन्दी नाटक और एकांकी के माध्यम से आधुनिक एवं उत्तर आधुनिक स्थितियों का बोध कराना ।

ILO1: हिन्दी नाट्य साहित्य का उद्भव-विकास से परिचित होंगे ।

ILO2: हिन्दी एकांकी साहित्य का उद्भव-विकास से परिचित होंगे ।

CO4: हिन्दी निबंध साहित्य और आलोचना साहित्य के विषय में अवगत कराना ।

ILO1: हिन्दी निबंध साहित्य का उद्भव-विकास से परिचित होंगे ।

ILO2: हिन्दी आलोचना साहित्य की जानकारी मिलेगी ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ हिन्दी गद्य साहित्य : उद्भव, विकास, युगीन परिस्थितियाँ (सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक)	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ हिन्दी कहानी साहित्य का उद्भव और विकास ▸ हिन्दी उपन्यास साहित्य का उद्भव और विकास	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास ▸ हिन्दी एकांकी का उद्भव और विकास	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास ▸ हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
3. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

****

SEMESTER – IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 7 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : हिन्दी कहानी साहित्य
Course Code : **HINC 7**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

कहानी हिन्दी साहित्य की प्रमुख कथात्मक विधा है । पिछले एक सदी में हिन्दी कहानी ने आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रगतिवाद, मनोविश्लेषणवाद, आंचलिकता आदि के दौर से गुजरते हुए सुदीर्घ मात्रा में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की है । चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी **उसने कहा था** से हिन्दी की आधुनिक कहानी का प्रारंभ होता है । हिन्दी कहानी साहित्य में नयेपन का प्रारंभ प्रेमचन्द से होता है । सन् 1950 ई. तक आते-आते कहानी की कथा-शिल्प में पर्याप्त परिवर्तन हो चुका था । प्रस्तुत प्रश्न पत्र

में हिन्दी कहानी साहित्य के प्रमुख कहानीकारों की कहानियाँ विकास के चरण के आधार पर चयन किया गया है।

CO 1: कहानीकार चन्द्रधर शर्मा गुलेरी और प्रेमचन्द्र की प्रमुख कहानियों से परिचित कराना।
ILO1: चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' की मूल संवेदना से परिचित होंगे।
ILO2: प्रेमचद की 'कफन' कहानी के माध्यम से जीवन की वास्तविकता से परिचित होंगे।
CO 2 : कहानीकार जयशंकर प्रसाद और 'अज्ञेय' की कहानियों से परिचित कराना।
ILO1: जयशंकर प्रसाद की कहानी 'मधुवा' से परिचित कराना।
ILO2: अज्ञेय की कहानी 'शरणदाता' के माध्यम से विभाजन की त्रासदी को समझ सकेंगे।
CO 3 : कहानीकार मोहन राकेश और उषा प्रियंवदा की कहानी कहानियों से परिचित कराना।
ILO1: मोहन राकेश की कहानी 'मलबे का मालिक' से परिचित होंगे।
ILO2: उषा प्रियंवदा की कहानी 'वापसी' के माध्यम से पिता के दर्द को समझ सकेंगे।
CO4: कहानीकार कृष्ण सोबती और ज्ञानरंजन की कहानियों की जानकारी देना।
ILO1: कृष्ण सोबती की कहानी 'सिक्का बदल गया' से परिचित होंगे।
ILO2: ज्ञानरंजन की कहानी 'पिता' का रसास्वादन करेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यपुस्तक : हिन्दी कहानी संग्रह – (सं) डॉ. समीर कुमार झा और डॉ. जोनटि दुवरा, अधिकरण प्रकाशन, दिल्ली।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours

1 (15 Marks)	▸ उसने कहा था : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ▸ कफन : प्रेमचन्द	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ मधुवा : जयशंकर प्रसाद ▸ शरणदाता : अज्ञेय	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ मलबे का मालिक : मोहन राकेश ▸ वापसी : उषा प्रियंवदा	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ सिक्का बदल गया : कृष्ण सोबती ▸ पिता : ज्ञानरंजन	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी कहानी का इतिहास : डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. कहानी नयी कहानी : डॉ. नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. नयी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

****

SEMESTER – IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)
COURSE – HIN – 8 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)
Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : हिन्दी उपन्यास साहित्य
Course Code : HINC 8
Nature of the Course : Major
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

उपन्यास अपेक्षाकृत नयी साहित्यिक विधा है । हिन्दी उपन्यास का आरंभ भारतेन्दु युग में समाज सुधारवादी उपन्यासों से हुआ । प्रेमचन्द पूर्व युग में साहित्यिक चेतना मुख्यतः दो प्रवृत्तियों में प्रचलित थे - मनोरंजन और सामाजिक जागरण । हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचन्द और उनके योग का बहुत महत्त्व है । प्रेमचन्द पहले ऐसे उपन्यासकार हैं जिन्होंने भारतीय जनजीवन की समस्याओं को गहराई से समझा । प्रेमचन्दोत्तर उपन्यासों में कार्ल मार्क्स, फ्रायड आदि के प्रभाव स्वरूप इन्होंने प्रगतिवादी और मनोविश्लेषणवादी विचारधारा के अनुकूल उपन्यास लिखें । इस प्रश्न पत्र में हिन्दी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम के आधार पर उपन्यास रखा गया है, ताकि विद्यार्थियों के समक्ष हिन्दी उपन्यास साहित्य का रूप स्पष्ट हो सके ।

CO 1 : हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकार प्रेमचन्द्र और उनके उपन्यास से परिचित कराना ।
ILOI: प्रेमचन्द्र के उपन्यास 'गोदान' के महत्व को समझेंगे ।
CO 2 : उपन्यासकार अज्ञेय और उनके उपन्यास से परिचित कराना ।
ILO1: अज्ञेय के उपन्यास 'अपने अपने अजनबी' को समझ सकेंगे ।
CO 3 : उपन्यासकार कमलेश्वर और उनके उपन्यास से परिचित कराना ।
ILO1: कमलेश्वर के उपन्यास 'काली आँधी' के माध्यम से राजनैतिक विद्रूपता को समझेंगे ।
CO 4: उपन्यासकार मैत्रेयी पुष्पा और उनके उपन्यास से परिचित कराना ।
ILO1: मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यास 'फरिश्ते निकले' के माध्यम से जीवन मूल्यों को समझेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2,		

				CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ गोदान : प्रेमचन्द	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ अपने अपने अजनबी : अज्ञेय	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ काली आँधी : कमलेश्वर	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ फरिश्ते निकले : मैत्रेयी पुष्पा	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. उपन्यास साहित्य का विकास : डॉ. गुलाब राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. हिन्दी उपन्यास का विकास : डॉ. मधुरेश, सुमित प्रकशन, इलाहाबाद।

4. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

****

SEMESTER – IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – MN – 4 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	सृजनात्मक लेखन
Course Code	**:**	**MINHIN 4**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

सृजनात्मकता सृजन का आधार है । सृजनात्मक लेखन वही है, जिसमें कल्पना की प्रधानता हो । वस्तुतः साहित्य के विविध रूपों का और शिल्प का ज्ञान करना सृजनात्मक लेखन का उद्देश्य होता है । अनुभूति के माध्यम से किया गया लेखन तब तक सफल नहीं हो सकता, जब तक कि सृजन को शिल्प से न जोड़ा जाये । व्यक्ति को लेखक बनने के लिए सृजनात्मकता के साथ शिल्प का समन्वय भी करना पड़ता है ।

CO 1: सृजनात्मक लेखन की अवधारणा से परिचित कराना ।

ILO1: सृजनात्मक लेखन की परिभाषा, महत्व, सृजन और सर्जक, कल्पना, बिम्ब, मनोविज्ञान, सौन्दर्यशास्त्र आदि को जान सकेंगे ।

CO 2: गद्य विधाओं के विभिन्न लेखनों के बारे में जानकारी देना ।

ILOI: कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आत्मकथा, जीवनी से परिचित होंगे ।

CO 3: कविता लेखन की कला से परिचित कराना ।

ILOI: कविता लेखन की अवधारणा एवं तत्वों से परिचित होंगे ।

CO4: मीडिया लेखन के विभिन्न प्रकारों से परिचित कराना ।

ILO1: मुद्रित माध्यम, दृश्य-श्रव्य माध्यम, इन्टरनेट से परिचित होंगे ।

ILO2: रेडियो समाचार, रेडियो नाटक, टेलीविजन, संवाद, स्क्रिप्ट लेखन आदि के बारे में जान सकेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ सृजनात्मक लेखन : अर्थ, क्षेत्र, महत्त्व, सृजन और सर्जक, सृजन और कल्पना, सृजन और बिम्ब, सृजन और मनोविज्ञान, सृजन और सौन्दर्यशास्त्र	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ गद्य लेखन : (गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय) कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आत्मकथा, जीवनी	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ कविता लेखन : कविता - अवधारणा, तत्त्व- शब्द, अर्थ, भाव और कल्पना एवं बुद्धि तत्त्व, कविता लेखन की तकनीक	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ मीडिया लेखन : (मुद्रित माध्यम, दृश्य-श्रव्य माध्यम, इन्टरनेट) समाचार लेखन, रेडियो लेखन, रेडियो नाटक, टेलीविज़न लेखन, संवाद लेखन, स्क्रिप्ट लेखन	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**

- **Group Discussion**
- **Seminar presentation on any of the relevant topics**
- **Debate**

- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. सृजनात्मक लेखन : राजेंद्र मिश्र, तक्षाशीला प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. काव्यशास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
3. समाचार, फिसर लेखन एवं सम्पादन कला : डॉ. हरिमोहन, हिन्दी बुक सेंटर, नयी दिल्ली ।
4. सृजनात्मक लेखन : हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह,

****

SEMESTER – V

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 9 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : भारतीय काव्यशास्त्र
Course Code : **HINC 9**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

काव्यशास्त्र काव्य और साहित्य का दर्शन तथा विज्ञान है । यह काव्य कृतियों के विश्लेषण के आधार पर समय-समय पर उद्भाषित सिद्धांतों की ज्ञानराशि है । इस क्षेत्र की परंपरा, काव्य लक्षण,

काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन शब्द शक्ति तथा विभिन्न साहित्य शास्त्रीय सिद्धांतों को इस पाठ्यक्रम में रखा गया है, जो काव्यशास्त्र के महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हैं। इनकी जानकारी हासिल करना विद्यार्थियों के लिए अत्यंत जरूरी है।

CO 1: भारतीय काव्यशास्त्र से परिचित कराना।

ILO 1: भारतीय काव्यशास्त्र के इतिहास और इसके प्रमुख आचार्यों को समझ सकेंगे।

ILO 2: भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न युगों और उनके प्रमुख योगदानों का विश्लेषण करने में समझ होंगे।

ILO 3: काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन से भलीभाँति परिचित हो पायेंगे।

CO 2: भारतीय काव्यशास्त्र में शब्द-शक्ति का लक्षण एवं प्रकार अवगत कराना।

ILO1 : काव्य में प्रयोग होने वाले शब्द-शक्ति को समझ पायेंगे।

ILO2 : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का प्रयोग करके साहित्यिक रचनाओं का समालोचना कर सकेंगे।

CO 3: भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त रस एवं अलंकार के बारे में अवगत कराना।

ILO1 : भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त रस के बारे में समझ होंगे।

ILO 2 : अलंकार की अवधारणा, काव्य में अलंकार के प्रयोग एवं स्थान को समझेंगे।

CO 4 : ध्वनि एवं वक्रोक्ति सिद्धान्त की अवधारणा एवं वर्गीकरण प्रस्तुत करना।

ILO1 : ध्वनि एवं वक्रोक्ति को समझकर काव्य में उसका यथा स्थान प्रयोग कर सकेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours

1 (15 Marks)	▸ काव्य का स्वरूप, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ शब्द शक्ति : परिभाषा, तात्पर्य, प्रकार – अभिधा, लक्षणा और व्यंजना	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ रस की अवधारणा, रस के अंग, रस निष्पत्ति और साधारणीकारण ▸ अलंकार की परिभाषा, अवधारणा एवं प्रकार, काव्य में अलंकारों का स्थान	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण ▸ वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की परिभाषा, वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सत्यदेव चौधरी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
4. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

****

SEMESTER – V

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 10 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
Course Code	**:**	**HINC 10**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

पाश्चात्य काव्यशास्त्र में चर्चित विविध सिद्धांतों तथा वादों को जानने, उनके संबंध में चिंतन मनन करके उनके विषय में विशेष दृष्टिकोण से पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों के सिद्धान्त का गहन एवं सहज बोधगम्य अध्ययन विद्यार्थियों के लिए प्रस्तुत करने का एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है। पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, नयी समीक्षा, विभिन्न वाद इस पाठ्यक्रम का मुख्य आकर्षण हैं। अतः विद्यार्थी विभिन्न विद्वानों के द्वारा दिये गये सिद्धांतों के साथ पाश्चात्य काव्यशास्त्र के स्वरूप के बारे में भी समझने में सक्षम होंगे।

CO 1: पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख अवधारणाओं से परिचित कराना।

ILO1: पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त, विचारधाराएँ और उसकी विकास यात्रा जान सकेंगे।

ILO2: पाश्चात्य काव्यशास्त्र के ऐतिहासिक विकास और सांस्कृतिक संदर्भों को समझेंगे।

CO 2: लोंजाइनस, वड्र्सवर्थ, कॉलरिज के साहित्यिक सिद्धान्त से परिचित कराना।

ILO1: पाश्चात्य दार्शनिक लोंजाइनस, वड्र्सवर्थ, कॉलरिज के साहित्यिक सिद्धांतों से अवगत होंगे।

ILO2: साहित्यिक सिद्धांतों और आलोचना के प्रमुख दृष्टिकोणों की पहचान और विश्लेषण कर सकेंगे।

CO 3: क्रोचे, टी.एस.इलियट, आई.ए.रिचड्र्स के साहित्यिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग के बारे में जानकारी देना।

ILO1: पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों के सिद्धांतों का गहन अध्ययन कर उसका अनुप्रयोग द्वारा साहित्यिक पाठों का मूल्यांकन कर पायेंगे।

ILO2: विभिन्न काव्य रूपों और संरचनाओं को पहचानने और विश्लेषित करने का समझ होंगे।

CO 4 : नयी समीक्षा एवं विभिन्न साहित्यिक वादों से परिचित कराना।

ILO1: आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास कर पायेंगे ।
ILO2: आधुनिक समीक्षा तथा विभिन्न साहित्यिक वादों से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ प्लेटो : काव्य सिद्धान्त, आदर्शवाद ▸ अरस्तू : अनुकृति एवं विरेचन सिद्धान्त	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ लोंजाइनस : उदात्त संबंधी अवधारणा ▸ वड्र्सवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धान्त ▸ कॉलरिज : कल्पना और फेंटसी	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ क्रोचे : अभिव्यंजनावाद सिद्धान्त ▸ टी.एस.इलियट : परंपरा का सिद्धान्त, निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त ▸ आई.ए.रिचड्र्स : मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ नयी समीक्षा, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
    - **Group Discussion**
    - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
    - **Debate**

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सत्यदेव चौधरी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी आलोचना का विकास : मधुरेश, सुमित प्रकाशन इलाहाबाद।
6. संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र : गोपीचन्द नारंग, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।

****

SEMESTER – V

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 11 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)
Course Code	**:**	**HINC 11**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

हिन्दी साहित्य में आधुनिक युग का प्रारम्भ 1850 ई. से माना जाता है। यह भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का युग था। इस समय में अधिकांश कविता की भाषा ब्रजभाषा थी, किन्तु खड़ीबोली को काव्य-भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने प्रयास आरंभ हो गया था। दूसरी ओर अंग्रेजी शासन तथा पश्चिम के संपर्क में आने के कारण भारतीय साहित्यकारों की दृष्टि में भी परिवर्तन होने लगा। सशस्त्र विद्रोह तथा नवजागरण का प्रभाव भी इस युग की कविता पर पड़ा है। मूलतः आधुनिक कविता में तत्कालीन युग चेतना, बदलते हुए परिवेश आदि के स्वर मुखरित हुए हैं। अतः इस युग के विषय में सम्यक अनुशीलन करना तथा जानकारी प्राप्त करना विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

C0-1 आधुनिक हिन्दी कविता की प्रारम्भिक अवस्था से परिचित कराना।

ILO1: भारतेन्दु हरिश्चंद्र की कविताओं से परिचित होंगे।

ILO2: अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के 'प्रियप्रवास' काव्य के बारे में जान सकेंगे।

CO2: मैथिलीशरण गुप्त और माखनलाल चतुर्वेदी की कविताओं से परिचित कराना।

ILO1: यशोधरा काव्य से परिचित होंगे।

ILO2माखनलाल चतुर्वेदी की कविता के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भवना जागृत होगी।

CO3: छायावाद और छायावादी कवियों से परिचित कराना।

ILO1: जयशंकर प्रसाद के 'कामायनी' महाकाव्य को समझ सकेंगे।

ILO2: सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की कविताओं से परिचित होंगे।

CO4: सुमित्रानन्दन पंत और महादेवी वर्मा की कविताओं से परिचित कराना।

ILO1: सुमित्रानन्दन पंत की कविताओं से परिचित होंगे।

ILO2: महादेवी वर्मा की कविताओं में अभिव्यक्त आध्यात्मिक चेतना से परिचित होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य संग्रह – (सं) डॉ. मनोज कुमार कलिता, अमृत चन्द्र कलिता और डॉ. जोनाली बरुवा,

लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : हिन्दी भाषा – 15 दोहे (1 से 15 तक) ▸ अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : प्रियप्रवास (षष्ठ सर्ग) प्रथम 6 छन्द	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ मैथिलीशरण गुप्त : यशोधरा – 1, 2 ▸ माखनलाल चतुर्वेदी : कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता सर्ग) ▸ सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : संध्या सुंदरी, जुही की कली, भिक्षुक	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ सुमित्रानन्दन पन्त : ताज, प्रथम रश्मि ▸ महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुख की बदली, कौन पहुंचा देगा उस पार	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहवाद।

3. छायावादोत्तर कविता : डॉ. मनोज कुमार कलिता एवं अमृत चन्द्र कलिता, साहित्य सरोवर, आगरा ।

****

SEMESTER – V

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – MN – 5 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	राष्ट्रीय चेतना की कविता
Course Code	**:**	**MINHIN 5**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

राष्ट्रीय चेतना से व्यापक अर्थ का बोध होता है, जिसमें राष्ट्र की अस्मिता की रक्षा, राष्ट्र का गौरव गाँ, राष्ट्र का परिवेश, राष्ट्र का उन्मेष और राष्ट्र के प्रति उस देश के नागरिकों की समग्र सोच और अनुभूति समाहित होती है । हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीयता की भावना एवं राष्ट्रीय चेतना अनंत काल से रही है । इसी भावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना एवं उनके मन में राष्ट्रीयता की भावना जाग्रत कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रहा है ।

CO 1: राष्ट्र और राष्ट्रीय चेतना की अवधारणा से परिचित कराना ।

ILO1: राष्ट्र और राष्ट्रीय चेतना के अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व को समझेंगे ।

ILO2: राष्ट्रीय चेतना के उदय के कारण, नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना के विकास से परिचित होंगे ।

CO 2: आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना से अवगत कराना ।

ILO1: आधुनिक हिन्दी कविता के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना की कविता के सामाजिक और राजनीतिक संदर्भों का विश्लेषण कर पायेंगे ।

ILO2: इन कविताओं के माध्यम से स्वतन्त्रता संग्राम और राष्ट्रीय आंदोलनों के प्रभाव को समझेंगे ।

CO 3: राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवि और रचनाओं से परिचित कराना ।

ILO1: राष्ट्रीय चेतना की कविता के प्रमुख कवियों और उनकी प्रमुख रचनाओं का अध्ययन का सकेंगे ।

ILO2: इन कवियों की रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रीय भावना और देश-भक्ति की अभिव्यक्ति को भलीभाँति समझ पायेंगे ।

CO 4 : हिन्दी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवियों से परिचित कराना ।

ILO1: राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवियों की राष्ट्रीय चेतना और देश भक्ति को समझ सकेंगे ।

ILO2: राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवियों का अध्ययन कर आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास कर पायेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ राष्ट्र और राष्ट्रीय चेतना : अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व ▸ राष्ट्रीय चेतना के उदय के कारण, नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना (भारतेन्दु युग से छायावाद तक)	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ हिन्दी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवि की कविता में राष्ट्रीय चेतना (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरीऔध, मैथिलीशरण गुप्त)	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ हिन्दी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवि का परिचय (जयशंकर प्रसाद, रामधारी सिंह दिनकर, सुभद्रा कुमारी चौहान, रामनरेश त्रिपाठी)	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी काव्य में राष्ट्रीय चेतना : शुभ लक्ष्मी, नचिकेता प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना : डॉ. माधुरी पाण्डेय गर्ग, नमन प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना : डॉ. सुधाकर शंकर कलवड़े, पुस्तक संस्थान, कानपुर ।
4. रेणुका : रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारतीप्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. भारत भारती : मैथिलीशरण गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

****

SEMESTER – VI

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 12 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : भाषा विज्ञान
Course Code : HINC 12
Nature of the Course : Major
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन ही 'भाषा विज्ञान' है; जिसमें इसकी उत्पत्ति, स्वरूप, विकास आदि का वैज्ञानिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाता है। भाषा विज्ञान व्याकरण से भिन्न है। जबकि भाषा विज्ञानी इसके आगे जाकर भाषा का अत्यंत व्यापक अध्ययन करता है। अध्ययन के अनेक विषयों में से आजकल भाषा विज्ञान को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

C01: भाषा के स्वरूप और भाषा विज्ञान से परिचित कराना।

ILO1: भाषा एवं भाषा विज्ञान की मूल अवधारणाओं और सिद्धांतों कों समझेंगे।

ILO2: भाषा और बोली के बीच अंतर को समझेंगे।

ILO3: भाषा के विभिन्न घटकों की पहचान और विश्लेषण कर सकेंगे।

CO2: ध्वनि विज्ञान और वाक्य विज्ञान से परिचित कराना।

ILO1: ध्वनि विज्ञान और ध्वन्यात्मकता के सिद्धांतो और अवधारणाओं को समझेंगे।

ILO2: विभिन्न भाषाओं के ध्वन्यात्मकता और ध्वन्यात्मक संरचनाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

ILO3: वाक्य विज्ञान के अवधारणाओं एवं प्रकार का ज्ञान अर्जित कर पायेंगे।

CO3: अर्थ विज्ञान एवं पद विज्ञान से परिचित कराना।

ILO1: अर्थ विज्ञान की मूल अवधारणाओं के साथ साथ इसके प्रकार और विशेषताओं को समझेंगे।

ILO2: अर्थ विज्ञान के महत्व को समझते हुए भाषाई अर्थ और संदर्भ का विश्लेषण कर सकेंगे।

ILO3: पद विन्यास की अवधारणाओं को समझते हुए शब्द संरचना और वाक्य संरचना के सिद्धांतो को समझेंगे।

ILO4: विभिन्न भाषाओ के रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO4: भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण तथा वर्गीकरण का स्वरूप और वर्गीकरण के आधार पर विस्तृत जानकारी देना।

ILO1: भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण तथा वर्गीकरण के आधार से परिचित होंगे।

ILO2: भाषाई विविधता के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO3: वर्गीकरण के स्वरूप तथा प्रकारों का ज्ञान प्राप्त होगा।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		

Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ भाषा : स्वरूप एवं परिभाषा, भाषा और बोली, भाषा की विशेषताएँ ▸ भाषा विज्ञान : स्वरूप, परिभाषा एवं अंग, भाषा विज्ञान का अन्य शाखाओं से संबंध	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ ध्वनि विज्ञान : स्वरूप एवं परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ ▸ वाक्य विज्ञान : अवधारणा, प्रकार, अनुवाद और वाक्य विज्ञान	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ अर्थ विज्ञान : परिभाषा, विशेषताएँ, प्रकार, महत्त्व ▸ पद विज्ञान : पद और वाक्य, पद और शब्द, रूप परिवर्तन की दिशाएँ, रूप परिवर्तन के कारण	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण : वर्गीकरण का स्वरूप, वर्गीकरण के आधार, ▸ भारोपीय परिवार : भारोपीय परिवार की विशेषताएँ, भारोपीय परिवार की शाखाएँ (केंटुम और शतम्)	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र : कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. भाषा विज्ञान का रसायन : कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. हिन्दी भाषा : डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, लखनऊ ।

****

SEMESTER – VI

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 13 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	हिन्दी नाट्य साहित्य
Course Code	**:**	**HINC 13**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

नाट्य-रचना और अभिनय की भारतीय परंपरा बहुत पुरानी है । संस्कृत साहित्य में नाट्य-लेखन और रंगमंचीय प्रदर्शनों का एक लम्बा इतिहास रहा है । संस्कृत नाटकों के अनुकरण पर अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी में भी अनेक नाटकों की रचना की गयी है । किन्तु हिन्दी नाटक के आधुनिक मौलिक स्वरूप का विकास भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटकों में ही प्रतिफलित हुआ । भारतेन्दु तथा उनके समकालीन नाटकारों के बाद हिन्दी नाट्य-लेखन की एक लम्बी परंपरा चली । हिन्दी में पूर्णांग नाटक के साथ-साथ एकांकी की रचना भी होती रही । अतः हिन्दी के विद्यार्थी को नाटक के प्रति रुचि बढ़ाने और अभिनय के द्वारा अपनी आजीविका का संधान को ध्यान में रखते हुए इसे पाठ्यक्रम में रखा गया है ।

CO1: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटक से परिचित कराना ।

ILO1: भारतेन्दु के नाटक का रसास्वादन कर पायेंगे ।

ILO2: भारतेन्दु के नाटक की कथावस्तु से परिचित होंगे ।

CO2: जयशंकर प्रसाद के नाटकों से परिचित कराना ।

ILO1: ऐतिहासिक नाटक के स्वरूप को समझेंगे ।

ILO2: जयशंकर प्रसाद के नाटकों का रस ग्रहण करने में समर्थ होंगे ।

ILO3: जयशकर के नाटकों के विषय में स्पष्ट धारणा बनेगी ।

CO3: मोहन राकेश के नाटक से परिचित कराना ।

ILO1: मोहन राकेश के नाटक को समझेंगे ।

ILO2: मोहन राकेश की नाट्य-कला को समझेंगे ।

ILO3: मोहन राकेश के नाटक की मूल संवेदना समझने में समर्थ होंगे ।

CO4: गीतिनाट्य अंधायुग एवं एकांकी महाभारत की एक साँझ से परिचित कराना ।

ILO1: गीतिनाट्य एवं नाटक में अंतर्निहित अंतर को जानेंगे ।

ILO2: अंधायुग नाटक से गीतिनाट्य का ज्ञान प्राप्त होगा ।

ILO3: एकांकी के स्वरूप तथा तत्व से परिचित होंगे ।

ILO4: भारतभूषण अग्रवाल की नाट्य-शैली से परिचित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ आधे अधूरे : मोहन राकेश	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	गीतिनाट्य एवं एकांकी : ▸ अंधा-युग : धर्मवीर भारती ▸ महाभारत की एक साँझ : भारतभूषण अग्रवाल	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. नये एकांकी : (सं) अज्ञेय, राजपाल एंडसंच, नयी दिल्ली ।

****

SEMESTER – VI

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 14 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : हिन्दी निबंध
Course Code : **HINC 14**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

आधुनिक युग को गद्य साहित्य का युग कहा जाता है । निबंध गद्य साहित्य की कसौटी भी है । निबंध का महत्त्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है । प्रस्तुत पत्र में हिन्दी साहित्य के कुछ चुने हुए निबंधों को स्थान दिया गया है । यहाँ निबंध के साथ ललित निबंध और व्यंग्य निबंध का भी संयोजन

किया गया है, जिसके अध्ययन से विद्यार्थियों में गद्य की विभिन्न शैलियों के प्रति रुचि बढ़ेगी। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्या निवास मिश्र, अज्ञेय, रामवृक्ष बेनीपुरी, हरिशंकर परसाई आदि निबंधकारों के उच्च विचारों से विद्यार्थी परिचित होंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पत्र को पाठ्यक्रम के अंतर्गत रखा गया है।

CO 1: बालकृष्ण भट्ट और सरदार पूर्ण सिंह के निबंध से परिचित कराना।
ILO1: बालकृष्ण भट्ट के निबंध के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा।
ILO2: सरदार पूर्ण सिंह के निबंध को समझेंगे।
ILO3: बालकृष्ण भट्ट और सरदार पूर्ण सिंह की निबंध-शैली से परिचित होंगे।
CO 2: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध से परिचित कराना।
ILO1: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा।
ILO2: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध कला की जानकारी मिलेगी।
ILO3: निबंध लेखन के प्रति रुचि पैदा होगी।
CO 3: इन्द्रनाथ मदान और हरिशंकर परसाई के निबंधों की जानकारी देना।
ILO1: इन्द्रनाथ मदान और हरिशंकर परसाई के निबंध के बारे में जानेंगे।
ILO2 : इन्द्रनाथ मदान और हरिशंकर परसाई के निबंधों के मूल स्वर को समझेंगे।
CO 4: विद्यानिवास मिश्र और कुबेरनाथ राय के निबंध से परिचित कराना।
ILO1: विद्यानिवास मिश्र और कुबेरनाथ राय के निबंध से परिचित होंगे।
ILO2: विद्यानिवास मिश्र और कुबेरनाथ राय के निबंध में व्यक्त संवेदना को समझेंगे।
ILO3: आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक कौशल का विकास पर पायेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यपुस्तक : निबंध संचयन –(सं) डॉ. जोनाली बरुवा, डॉ. मनोज कुमार कलिता और श्री अमृत चन्द्र कलिता,

लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ साहित्य जन समुदाय के हृदय का विकास है : बालकृष्ण भट्ट ▸ मजदूरी और प्रेम : सरदार पूर्ण सिंह	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ क्रोध : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ▸ नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ झूठ बोलना भी एक कला है : इन्द्रनाथ मदान ▸ प्रेमचन्द के फटे जूते : हरिशंकर परसाई	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : विद्या निवास मिश्र ▸ संपाती के बेटे : कुबेरनाथ राय	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी निबंध और निबंधकार : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

****

SEMESTER – VI

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 15 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	प्रयोजनमूलक हिन्दी
Course Code	**:**	**HINC 15**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

प्रयोजनमूलक हिन्दी आधुनिक विधा शाखाओं के अंतर्गत हिन्दी भाषा का एक व्यावहारिक पाठ्यक्रम हैं। अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान के अंतर्गत अत्याधुनिक उप-शाखा के रूप में हिन्दी के विविध प्रयोजनमूलक रूपो की आलोचना की जाती है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की संरचना, विविध शैलियाँ, प्रयुक्तियाँ तथा हिन्दी पारिभाषिक तथा वैज्ञानिक शब्दावली के बारे में जानकारी दी जाएगी, जो अत्यंत लाभदायक होगा। यहाँ हिन्दी की मानकीकरण, नागरी लिपि के साथ ही हिन्दी प्रयोजनमूलक आवश्यकता एवं संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा। प्रयोजनमूलक हिन्दी का सटीक अध्ययन से विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा। इस बात को ध्यान में रखकर इस पत्र को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO1: प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा से परिचित कराना।

ILO1: प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और महत्व को समझेंगे।

ILO2: व्यावसायिक, प्रशासनिक और तकनीकी क्षेत्रों में हिन्दी के उपयोग का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO2: हिन्दी का मानकीकरण, भाषा की संरचना तथा नागरी लिपि से परिचित करना।

ILO1: हिन्दी की मानकीकरण, के साथ-साथ देवनागरी लिपि एवं उसके विशेषताओं को समझेंगे।

ILO2: हिन्दी भाषा की संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO3: कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकारों से परिचित कराना।

ILO1: हिन्दी में विभिन्न प्रकार के रिपोर्ट, ज्ञापन, नोटिस और आधिकारिक पत्र लिखने में सक्षम होंगे।

ILO2: पत्राचार के मानकों और प्रारुप का पालन करेंगे।

CO4: पारिभाषिक शब्दावली के प्रति ध्यान आकर्षित करना।

ILO1: व्यावसायिक और तकनीकी क्षेत्रों में प्रयुक्त हिन्दी का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

ILO2: हिन्दी में विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग होने वाले पारिभाषिक शब्दावली से परिचित हो पायेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create

Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ प्रयोजमूलक हिन्दी : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ ▸ प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता, सामान्य हिन्दी, सर्जनात्मक हिन्दी एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी में अंतर	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ हिन्दी का मानकीकरण, नागरी लिपि का विकास और विशेषताएँ ▸ हिन्दी भाषा की संरचना : पद-विन्यास, रूपिम, वाक्य-विन्यास, हिन्दी शब्द-समूह	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार : सरकारी पत्र, अर्धसरकारी पत्र, ज्ञापन, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालय आदेश, टिप्पण और मसौदा लेखन	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ पारिभाषिक शब्दावली : विशेषताएँ, अपेक्षित गुण, निर्माण प्रक्रिया ▸ वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली, पारिभाषिक शब्दावली एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी के नए आयाम : डॉ. पंडित बन्ने, अमन प्रकाशन, कानपुर ।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और व्यवहार : डॉ. रघुनंदन प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

****

SEMESTER – VI
HINDI HONOURS (CORE COURSE)
COURSE – MN – 6 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)
Total Marks – 100 (Th – 60 + IA – 40)

Title of the Course : भारतीय साहित्य
Course Code : MINHIN 6
Nature of the Course : Minor
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

किसी भी देश का साहित्य उसकी सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान कराता है । भारत और भारतीयता को समझना है तो हमें भारतीय साहित्य को समझना होगा । भारतवर्ष बहुभाषी विशाल देश है । इन सभी भाषाओं का अपना-अपना स्वतंत्र साहित्य है । साहित्य की अखिल भारतीयता, संस्कृति की अखिल भारतीयता सामने लाती है । साहित्य की समानता राष्ट्रीय एकता की भावना की जनक होती है।

CO1: भारतीय साहित्य से परिचित कराना ।

ILO1: भारतीय साहित्य के स्वरूप, विशेषता एवं महत्व को समझेंगे ।

CO2: भारतीय भाषाओं के कवि और उनकी कविताओं से परिचित कराना ।

ILO1: असमीया, उड़िया, तमिल, पंजाबी, बांग्ला आदि भारतीय भाषाओं के प्रमुख कवि और उनकी कविताओं से परिचित होंगे ।

ILO2: भारतीय साहित्य में निहित एकता और विविधता के आधार पर भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता से भलीभाँति परिचित हो सकेंगे।

CO3: कहानी साहित्य से परिचित कराना।

ILO1: असमीया कथाकार मामणि रायसम गोस्वामी की कहानी 'युद्ध' से परिचित होंगे।

ILO2: तमिल कथाकार अखिलन की कहानी 'संतान वरदान' से परिचित होंगे।

ILO3: बांग्ला कथाकार शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय की कहानी 'अनुपमा का प्रेम' का रसास्वादन करेंगे।

CO4: प्रमुख भारतीय साहित्यकारों से परिचित कराना।

ILO1: अमृता प्रीतम, सुब्रह्मण्यम भारती, मामणि रायसम गोस्वामी, रवीद्रनाथ ठाकुर, शारतचंद्र चट्टोपाध्याय आदि प्रमुख साहित्यकारों के साहित्यिक अवदान के बारे में अवगत होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यपुस्तक : भारतीय साहित्य संग्रह : (सं) डॉ. जोनाली बरुवा और डॉ. मनोज कुमार कलिता, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ भारतीय साहित्य का स्वरूप, प्रमुख विशेषता, भारतीय साहित्य का महत्त्व	**14**	**01**	**-**	**15**

2 (15 Marks)	▸ असमीया कविता : कविता – नीलमणि फुकन ▸ उड़िया कविता : कालाहांडी – जगन्नाथ प्रसाद दास ▸ तमिल कविता : यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती ▸ पंजाबी कविता : मैं तुम्हें फिर मिलूँगी – अमृता प्रीतम ▸ बांग्ला कविता : याद आना – रवीद्रनाथ ठाकुर	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	कहानी : ▸ युद्ध (असमीया_- मामणि रायसम गोस्वामी ▸ संतान वरदान (तमिल)- अखिलन ▸ अनुपमा का प्रेम (बांग्ला)- शारतचंद्र चट्टोपाध्याय	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	लेखक परिचय : ▸ अमृता प्रीतम, सुब्रह्मण्यम भारती, मामणि रायसम गोस्वामी, रवीद्रनाथ ठाकुर, शारतचंद्र चट्टोपाध्याय	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य प्रमुख दिशाएँ : डॉ. वी. के. गर्ग, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, अकादमी भवन, पंचकुला।
2. भारतीय साहित्य की पहचान : (सं) सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. भारतीय भाषा की पहचान : (सं) सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

****

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 16 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	छायावादोत्तर कविता
Course Code	**:**	**HINC16**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना :

छायावाद के उत्कर्ष-काल की समाप्ति के बाद हिन्दी काव्य साहित्य में अनेक नयी प्रवृत्तियाँ उभर कर आयी है। ऐतिहासिक कालक्रम की दृष्टि से छायावादी काव्य के बाद प्रगतिवादी काव्य प्रारम्भ हुई, किन्तु कुछ ऐसी प्रवृत्तियों का भी उदय हुआ, जिन्होंने स्वतंत्र काव्य आन्दोलन का रूप तो धारण नहीं किया मगर आधुनिक हिन्दी काव्यधारा को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वस्तुतः छायावादोत्तर हिन्दी कविता एक सुदृढ़ काव्यधारा है, जो अनेक विशेषताओं को स्वयं में समाहित किये हुए हैं। उसको ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पत्र को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO1: छायावादोत्तर कवि केदारनाथ अग्रवाल और नागार्जुन की कविताओं से परिचित कराना।

ILO1: छायावादोत्तर कविता से परिचित होंगे।

ILO2: केदारनाथ अग्रवाल और नागार्जुन की कविताओं का परिचय व ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO3: छायावादोत्तर कविता के मूल स्वर समझेंगे।

CO2: रामधारी सिंह दिनकर और अज्ञेय की पविताओं से परिचित कराना।

ILO1: दिनकर और अज्ञेय की कविताओं से परिचित कराना।

ILO2: दिनकर और अज्ञेय की कविताओं के सैद्धान्तिक पक्ष को समझेंगे।

CO3: भवानी प्रसाद मिश्र और गिरिजा कुमार माथुर की कविताओं से परिचित कराना।

ILO1: भवानी प्रसाद मिश्र और गिरिजा कुमार माथुर की कविताओं से परिचित होंगे।

ILO2: भवानी प्रसाद मिश्र और गिरिजा कुमार माथुर की कविताओं का शिल्पगत परिचय व ज्ञान प्राप्त होगा।

CO4: रघुवीर सहाय और अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं से परिचित कराना।

ILO1: रघुवीर सहाय और अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं से परिचित से परिचित होंगे।

ILO2: रघुवीर सहाय और अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं के सैद्धान्तिक पक्ष को समझेंगे।

ILO3: आधुनिक कविताओं के प्रति रुचि बढ़ेगी।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive	Cognitive Process Dimension

Knowledge Dimensions						
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य संग्रह – (सं) डॉ. मनोज कुमार कलिता, अमृत चन्द्र कलिता और डॉ. जोनाली बरुवा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ केदारनाथ अग्रवाल : चन्द्र गहना से लौटती बेर, माँझी न बजाओ वंशी ▸ नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, कालिदास, यह दंतुरित मुस्कान	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ रामधारी सिंह दिनकर : हिमालय, कुरुक्षेत्र ▸ अज्ञेय : साँप के प्रति, कलगी बाजरे की	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फ़रोश, बूँद टपकी एक नभ से ▸ गिरिजाकुमार माथुर : छाया मत छूना, आज हैं रंग-रंगे वन	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ रघुवीर सहाय : नेता क्षमा करें, हँसो हँसो जल्दी हँसो ▸ अटल बिहारी वाजपेयी : गीत नया गाता हूँ, मैं हर नहीं मानूँगा, मौत से ठन गयी	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहवाद ।
3. छायावादोत्तर कविता : डॉ. मनोज कुमार कालीता एवं अमृत चन्द्र कालीता, साहित्य सरोवर, आगरा ।

****

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 17 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : हिन्दी पत्रकारिता
Course Code : **HINC17**
Nature of the Course : **Major**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

आज पत्र-पत्रिकाओं का महत्त्व बढ़ता ही जा रहा है । पत्र-पत्रिकाएँ केवल समाचार प्राप्ति के साधन ही नहीं बल्कि वे जनसाधारण को शिक्षित भी करती है । हिन्दी पत्रकारिता का हिन्दी साहित्य में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है । हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं ने हिन्दी साहित्य को एक नयी दिशा प्रदान की थी । अतः इन पत्र-पत्रिकाओं से विद्यार्थियों को परिचय कराना बेहद जरूरी हो जाता है । प्रस्तुत पाठ्यक्रम में पत्रकारिता का अर्थ और अवधारणा, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास, तत्कालीन प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं का संक्षिप्त परिचय आदि रखा गया है, जिसमें विद्यार्थी प्रत्रकारिता के

विविध पक्षों से परिचित होंगे। पत्रकारिता के प्रति आकर्षण उत्पन्न कराना तथा पत्रकारिता के माध्यम से अपनी आजीविका का संधान कराना इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है।

CO1: पत्रकारिता के अर्थ, अवधारणा एवं उद्भव-विकास से परिचित कराना।
- ILO1: पत्रकारिता की अवधारणा से परिचित होंगे।
- ILO2: हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास को समझेंगे।
- ILO3: भारतेन्दुयुगीन पत्रकारिता से परिचित होंगे।

CO2: द्विवेदीयुगीन तथा छायावादयुगीन पत्रकारिता से परिचित कराना।
- ILO1: द्विवेदीयुगीन तथा छायावादयुगीन पत्रकारिता से परिचित होंगे।
- ILO2: पत्रकारिता के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।

CO3: स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता एवं समकालिन पत्रकारिता से परिचित कराना।
- ILO1: स्वातंत्र्योत्तर एवं समकालीन पत्रकारिता से परिचित होंगे।
- ILO2: स्वातंत्र्योत्तर और समकालिन पत्रकारिता में अंतर्निहित अंतर को समझेंगे।

CO4: पत्रकारिता के सामाजिक दायित्व एवं परिवर्तन के बारे में अवगत कराना।
- ILO1: पत्रकारिता के सामाजिक एवं परिवर्तन को समझेंगे।
- ILO2: पत्रकारिता की दृष्टि एवं दिशा के बारे में अवगत होंगे।
- ILO3: पत्रकारिता में नैतिक दायित्वों और कानूनी प्रतिबद्धताओं के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours

1 (15 Marks)	▸ पत्रकारिता : अर्थ और अवधारणा, उद्भव और विकास ▸ भारतेन्दुयुगीन पत्रकारिता : स्वरूप, प्रवृतियाँ	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ ▸ छायावादयुगीन पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ ▸ समकालीन पत्रकारिता : स्थिति और समस्याएँ	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ पत्रकारिता : सामाजिक दायित्व, सामाजिक परिवर्तन ▸ प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, भारत मित्र, हंस, हिन्दी प्रदीप, स्वदेश प्रताप, जनसत्ता	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ **:**

1. पत्रकारिता के सिद्धान्त : डॉ. रमेशचन्द्र त्रिपाठी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।
2. आधुनिक पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
3. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ. धीरेन्द्र सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
4. पत्रकारिता का परिचय : डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ. धीरेन्द्र सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

****

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 18 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	आलोचना साहित्य
Course Code	**:**	**HINC18**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

आलोचना साहित्य एक महत्त्वपूर्ण विधा है। इस पाठयक्रम का मुख्य लक्ष्य है विद्यार्थियों के मन और विवेक में आलोचनात्मक दृष्टि का विकास कराना । प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत आलोचना की व्युत्पत्ति, आलोचना की विकास धारा को रखा गया है ताकि हिन्दी के विद्यार्थी आलोचना साहित्य से अच्छी तरह परिचित हो सके। हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धति एवं उनके आलोचना अध्ययन भी पाठ्यक्रम में रखा गया है।

CO1: आलोचना के अर्थ एवं महत्व तथा साहित्य के अध्ययन की दृष्टियों से परिचित कराना।

ILO1: आलोचना के अर्थ एवं महत्व को समझेंगे।

ILO2: साहित्य के अध्ययन की दृष्टियों को जानेंगे।

ILO3: आलोचनात्मक दृष्टि की अभिवृद्धि होगी।

CO2: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि से परिचित कराना।

ILO1: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि को समझेंगे।

ILO2: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि में निहित अंतर को जानेंगे।

CO3: डॉ. नगेन्द्र और डॉ. रामविलास शर्मा के समीक्षा सिद्धांतों से परिचित कराना।

ILO1: डॉ. नगेन्द्र और डॉ. रामविलास शर्मा की समीक्षात्मक दृष्टि से परिचित होंगे।

ILO2: डॉ. नगेन्द्र और डॉ. रामविलास शर्मा के समीक्षात्मक निबंधों को समझेंगे।

CO4: हिन्दी के नये समीक्षकों के बारे में जानकारी देना।

ILO1: हिन्दी के नये समीक्षकों के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO2: नन्ददुलारे वाजपेयी, अज्ञेय, डॉ. बच्चन सिंह, डॉ. नामवर सिंह, रामस्वरुप चतुर्वेदी, अशोक वाजपेयी के समीक्षा सिद्धांतों को जानेंगे।

ILO3: आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास होगा।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create

Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ आलोचना : व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, महत्त्व ▸ साहित्य के अध्ययन की दृष्टियाँ : ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ हिन्दी आलोचना : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी के काव्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ हिन्दी आलोचना : डॉ. नगेन्द्र और डॉ. रामविलास शर्मा के समीक्षा सिद्धांतों का सामान्य परिचय	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ हिन्दी के नए समीक्षक : नन्ददुलारे वाजपेयी, अज्ञेय, डॉ. बच्चन सिंह, डॉ. नामवर सिंह, रामस्वरुप चतुर्वेदी, अशोक वाजपेयी	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7

CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ **:**

1. हिन्दी आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. चिंतामणि (भाग -1) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग ।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

****

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – MN – 7 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : मीडिया के विविध आयाम
Course Code : MINHIN 7
Nature of the Course : Minor
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

आज का युग मीडिया का युग है । पठन-पाठन के अनुभवों में एक नया मोड आया है । हिन्दी के क्षेत्र में सोशल मीडिया की भूमिका को नकार नहीं सकते हैं । मीडिया के पढ़ाई के साधन विविध रूपों में उपलब्ध करता है जिसे छात्र ग्रहण करते हैं । एक छात्र के लिए मीडिया बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।

CO1: मीडिया के बारे में विस्तृत जानकारी देना ।

ILO1: मीडिया के विभिन्न प्रकारों और उनके स्वरूपों को पहचानेंगे ।

ILO2: मीडिया के विविध प्रकार, विशेषताएँ और उनकी उपयोगिता को समझेंगे ।

CO2: मीडिया लेखन के बारे में ज्ञान प्राप्त कराना ।

ILO1: समाचार लेखन की कला एवं शैली से परिचित होंगे ।

ILO2: स्तम्भ लेखन और फीचर लेखन के कला एवं शैली से परिचित होंगे ।

CO3: विज्ञापन के बारे में विस्तृत जानकारी देना ।

ILO1: विज्ञापन कला के विषय में समग्र जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

ILO2: विज्ञापन लेखन किसे कहते है एवं एक अच्छा विज्ञापन कैसे प्रस्तुत किया जाता है, जान पायेंगे।

CO4: नव इलेक्ट्रानिक मीडिया और सोशल मीडिया से परिचित कराना।

ILO1: नव इलेक्ट्रानिक मीडिया के स्वरूप और महत्त्व को समझेंगे।

ILO2: नव इलेक्ट्रानिक मीडिया में हिन्दी की वर्तमान स्थिति को जानेंगे।

ILO3: नव इलेक्ट्रानिक मीडिया और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव को समझ सकेंगे।

ILO4: सोशल मीडिया के अवसर और चुनौतियों से परिचित होंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ मीडिया की अवधारणा, मीडिया के महत्त्व, मीडिया और वैश्वीकरण, मीडिया के विविध रूप और उनकी उपयोगिता (प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, टेलीविज़न, रेडियो और सिनेमा)	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ मीडिया लेखन : समाचार लेखन (रेडियो और टेलीविज़न) ▸ स्तम्भ लेखन और फीचर लेखन	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ विज्ञापन अर्थ एवं परिभाषा, विज्ञापन के उद्देश्य और महत्त्व, विज्ञापन लेखन	**14**	**01**	**-**	**15**

4 (15 Marks)	▸ नव इलेक्ट्रानिक मीडिया : स्वरूप और महत्त्व ▸ नव इलेक्ट्रानिक मीडिया में हिन्दी की वर्तमान स्थिति ▸ नव इलेक्ट्रानिक मीडिया और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव ▸ सोशल मीडिया अवसर और चुनौतियाँ	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ **:**

1. मीडिया विमर्श विविध आयाम : (सं) डॉ. माधुरी पाण्डेय गर्ग, राधा पब्लिकेशन, नयी दिल्ली।

2. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन : डॉ. राजेन्द्र मिश्र, ईशिता मिश्र, तक्षाशीला प्रकाशन, दिल्ली।

3. नया मीडिया और नए मुद्दे : सुधीर पचौरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

****

SEMESTER – VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 19 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : भारतीय साहित्य

Course Code : HINC 19

Nature of the Course : Major

Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

किसी भी देश का साहित्य उसकी सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान कराता है । भारत और भारतीयता को समझना है तो हमें भारतीय साहित्य को समझना होगा । भारतवर्ष बहुभाषी विशाल देश है । इन सभी भाषाओं का अपना-अपना स्वतंत्र साहित्य है । साहित्य की अखिल भारतीयता, संस्कृति की अखिल भारतीयता सामने लाती है । साहित्य की समानता राष्ट्रीय एकता की भावना की जनक होती है।

CO1: भारतीय साहित्य का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य ।

ILO1: विद्यार्थी भारतीय साहित्य के ऐतिहासिक विकास और सांस्कृतिक संदर्भों को समझेंगे ।

ILO2: विभिन्न कालखंडों में साहित्यिक विकास का विश्लेषण करेंगे ।

CO2: विभिन्नभाषाओं और परम्पराओं का साहित्य ।

ILO1: विद्यार्थी भारतीय साहित्य की विभिन्न भाषाओं और परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

ILO2: प्रमुख भारतीय साहित्य कृतियों और लेखकों का अध्ययन करेंगे ।

CO3: साहित्यिक विधाएँ और शैलियाँ

ILO1: विद्यार्थी भारतीय साहित्य की प्रमुख विधाओं और शैलियों की पहचान करेंगे।

ILO2: विभिन्न साहित्य शैलियों का विश्लेषण और उनकी विशेषताओं का मूल्यांकण करेंगे।

CO4: समकालीन भारतीय साहित्य एवं साहित्यकारों से परिचित कराना

ILO1: विद्यार्थी समकालीन भारतीय साहित्य और इसके प्रमुख प्रवृतियों को समझेंगे ।

ILO2: आधुनिक और समकालीन भारतीय साहित्यकारों और उनकी कृतियों का अध्ययन करेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यक्रम : भारतीय साहित्य संग्रह : (सं) डॉ. जोनाली बरुवा और डॉ. मनोज कुमार कलिता, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ भारतीय साहित्य का स्वरूप, प्रमुख विशेषता, भारतीय साहित्य का महत्त्व	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ असमीया कविता : कविता – नीलमणि फुकन ▸ पंजाबी कविता : मैं तुम्हें फिर मिलूँगी – अमृता प्रीतम ▸ तमिल कविता : यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती ▸ उड़िया कविता : कालाहांडी – जगन्नाथ प्रसाद दास ▸ बांग्ला कविता : याद आना – रवीद्रनाथ ठाकुर	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	कहानी : ▸ युद्ध (असमीया_- मामणि रायसम गोस्वामी ▸ अनुपमा का प्रेम (बांग्ला)- शारतचंद्र चट्टोपाध्याय ▸ संतान वरदान (तमिल)- अखिलन	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	लेखक परिचय : ▸ अमृता प्रीतम, सुब्रह्मण्यम भारती, मामणि रायसम गोस्वामी, रवीद्रनाथ ठाकुर, शारतचंद्र चट्टोपाध्याय	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M

CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ **:**

1. भारतीय साहित्य प्रमुख दिशाएँ : डॉ. वी. के. गर्ग, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, अकादमी भवन, पंचकुला ।

****

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – HIN – 20 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : लोक-साहित्य
Course Code : HINC 20
Nature of the Course : Major
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

लोक साहित्य लोक परंपरा का वाहक है । लोक साहित्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होता है । औद्योगिक तथा मशीनी युग की सभ्यता के आलोक में प्रगति के डाक भरते हुए भी एक प्राण की पहचान इसके लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति के माध्यम से ही की जा सकती है । विद्यार्थियों को लोक साहित्य से परिचित होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि पुरखों की परंपराएँ केवल सांस्कृतिक धरोहर तथा बीते हुए कल की आवाज मात्रा न रहकर युग-युग तक जीवंत सर्जन बनकर रहे ।

CO1: लोक साहित्य की अवधारणा एवं विशेषताओं की जानकारी देना ।

ILO1: लोक साहित्य की अवधारणा एवं विशेषताओं के साथ-साथ ऐतिहासिक विकास और सांस्कृतिक संदर्भों को समझेंगे ।

ILO2: विभिन्न समुदायों और समाजों में लोकसाहित्य की भूमिका और महत्व का विश्लेषण कर सकेंगे ।

CO2: लोक साहित्य की विविध विधाओं का परिचय एवं उदाहरण के बारे में जानकारी देना ।

ILO1: लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे ।

ILO2: विभिन्न प्रकार के लोक साहित्य का अध्ययन और विश्लेषण कर सकेंगे ।

CO3: लोक गीतों के वर्गीकरण के बारे में जानकारी देना ।

ILO1: लोक गीतों के विभिन्न वर्गीकरण पहचान सकेंगे ।

ILO2: लोक साहित्य के संकलन और संरक्षण के विषय में जान पायेंगे ।

CO4: असमीया लोकसाहित्य से परिचित कराना ।

ILO1: असम प्रांत में प्रचलित विभिन्न प्रकार के लोक साहित्य से परिचित हो पायेंगे ।

ILO2: असमीया लोक साहित्य के विभिन्न प्रकारों का भी ज्ञान हासिल कर पायेंगे ।
ILO3: प्रसिद्ध लोककथा तेजीमला में अंतर्निहित मानवीय मूल्यों को समझेंगे ।
ILO4: प्रसिद्ध लोकगाथा धनवर रतनी के बारे में जान सकेंगे ।
ILO 5: डाक प्रवचन से परिचित होगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ लोक साहित्य की अवधारणा एवं विशेषताएं, लोक और साहित्य, लोक संस्कृति (लोकवार्ता) और लोक साहित्य, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य, लोक भाषा और लोक साहित्य	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ लोक साहित्य की विविध विधाएँ (परिचय एवं उदाहरण) ▸ लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य, लोक गाथा	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ लोकगीतों के वर्गीकरण : (संस्कार संबंधी गीत, ऋतु संबंधी गीत, व्रत संबंधी गीत, जाति संबंधी गीत, श्रम गीत, देवी-देवताओं के गीत, विविध)	**14**	**01**	**-**	**15**

4 (15 Marks)	▸ असमीया लोक साहित्य : सामान्य परिचय ▸ लोक गीत : बिहु गीत, निसुकनि गीत, विवाह गीत, कामरूपी लोकगीत, गोवालपरीया लोक गीत ▸ लोककथा : तेजीमला ▸ लोक गाथा : धनवर रतनी ▸ डाक प्रवचन	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद ।
2. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग : डॉ .श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
3. असमिया लोक समाज में डाक प्रवचन : डॉ .जोनाली बरुवा, नर्मदा प्रकाशन, लखनऊ ।
4. गोवालपरिया लोक साहित्य : स्वरूप और मूल्यांकन : डॉ. समीर झा, कौस्तुभ प्रकाशन, डिब्रूगड़, असम ।

****

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – RM (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th –** 60 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	शोध प्रक्रिया एवं प्रविधि
Course Code	**:**	**RM**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

शोध एक वैज्ञानिक कार्यविधि है। विगत तीन-चार शताब्दियों से हिन्दी भाषा और साहित्य में शोध-कार्य हो रहा है। इन दिनों शोध-कार्य अत्यंत लोकप्रिय हो रहा है। इसका मुख्य कारण, प्रत्येक सुशिक्षित व्यक्ति किसी न किसी विषय में अच्छी विशेषता प्राप्त करना चाहता है और उस विषय में विशेषज्ञ बनने का प्रयास करता है। विश्वविद्यालय उनके प्रयासों को परख कर उन्हें तद्विषयक कार्य में सहायता करते हैं। अतः विश्वविद्यालयी शिक्षा प्राप्त करने से पूर्व ही तद्विषयक सम्यक जानकारी मिलना विद्यार्थियों के लिए परम आवश्यक हो जाता है। इसी बात का ध्यान रखते हुए पाठ्यक्रम में इस पत्र को रखा गया है।

CO 1: शोध एवं आधुनिक शोध से परिचित कराना।

ILO1: शोध का अर्थ, परिभाषा एवं शोध के प्रकार के बारे में ज्ञात होंगे।

ILO2: आधुनिक शोध के बारे में अवगत होंगे।

ILO3: शोध की प्रवृत्ति तथा शोध के कारण के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

CO2: साहित्यिक शोध, शोध और आलोचना के साम्य-वैषम्य से परिचित कराना।

ILO1: साहित्यिक शोध की प्रकृति के बारे में जानेंगे।

ILO2: साहित्यिक शोध की विशेषताओं से परिचित होंगे।

ILO3: शोध और आलोचना के स्वरूप को समझ सकेंगे।

ILO4: शोध और आलोचना के साम्य-वैषम्य को समझेंगे।

CO3: शोध विषय-चयन के बारे में जानकारी देना।

ILO1: विषय चयन की आवश्यकता को समझेंगे।

ILO2: विषय-क्षेत्र एवं विषय विविधता को समझ सकेंगे।

ILO3: विषय चयन की भूमिका एवं प्रणालियाँ समझ सकेंगे।

ILO4: विषय चयन में रखने वाली सावधानियाँ से अवगत होंगे।

CO4: रूपरेखा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया एवं शोधार्थी के गुण-दोष से परिचय कराना।

ILO1: रूपरेखा की आवश्यकता को समझ सकेंगे।

ILO2: रूपरेखा की प्रक्रिया से परिचित होंगे।

ILO3: शोधार्थी के गुण एवं दोष के बारे में जान सकेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	**शोध परिचय एवं अवधारणा** ▶ परिभाषा, स्वरूप, उद्देश्य ▶ शोध के प्रकार : मात्रात्मक **Quantative),** गुणात्मक (**Qualitative),** मिश्रित (**Mixed)** ▶ शोध के प्रमुख आयाम ▶ शोध के संभावित क्षेत्र ▶ शोध की परिकल्पना	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	**शोध प्रविधि** ▶ तथ्य आहरण पद्धति ▶ तथ्य विश्लेषण की पद्धति ▶ स्रोत संदर्भ पद्धति	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	**विषय-चयन** ▶ विषय चयन की आवश्यकता, विषय-क्षेत्र एवं विषय-विविधता, विषय चयन की भूमिका, विषय चयन की प्रणालियाँ, विषय चयन में रखने वाली सावधानियाँ	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	**शोध पत्र / आलेख लेखन, प्रतिवेदन प्रस्तुतकारण और शोध नैतिकता** ▶ शोध पत्र / आलेख लेखन ▶ प्रतिवेदन प्रस्तुतकारण ▶ शोध नैतिकता	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, *L: Lectures* *T: Tutorials* *P: Practicals*

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: **(40 Marks)**

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. शोध प्रक्रिया : डॉ. सरनाम सिंह शर्मा, कल्पना प्रकाशन, दिल्ली।
2. शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि : बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

****

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – MN – 8 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : विज्ञापन कला

Course Code : **MINHIN 8**
Nature of the Course : **Minor**
Total Credits : **4**
Distribution of Marks : **60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना :

विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्त्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है, उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। समय के साथ बदलते हुए समाचार पत्र, रेडियो-स्टेशन, सिनेमा के पट व दूरदर्शन अब इंका माध्यम बन गये हैं। प्रस्तुत पाठयकक्रम के जरिये विद्यार्थी को जानकारी मिलेगी कि इसमें लोगों के जीवन में कैसा क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। इन सभी वाटों को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO 1: विज्ञापन के महत्व पर प्रकाश डालना।
ILO1: विज्ञापन की परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं उपयोगिता समझ सकेंगे।
ILO 2: विज्ञापन के विभिन्न प्रकारों से परिचित होंगे।
CO2: विज्ञापन के विविध माध्यम एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी देना।
ILO1: विज्ञापन के विविध माध्यम से परिचित हो सकेंगे।
ILO2: आज के युग में विज्ञापन कितना उपयोगी है उसे जान पायेंगे।
CO 3: विज्ञापन लेखन की कला एवं विशेषताओं से परिचित कराना।
ILO1: विज्ञापन लेखन की कला से परिचित होंगे और विज्ञापन की विशिष्टता को समझेंगे।
ILO2: एक अच्छे विज्ञापन के लिए किन-किन बातों पर ध्यान देना चाहिए उसे समझ पायेंगे।
CO 4 : आधुनिक विज्ञापन लेखन की कला से परिचित कराना।
ILO1: आधुनिक विज्ञापन की भाषा की समझ होगी।
ILO2: विज्ञापन के द्वारा विज्ञापित वस्तु, सेवा, विचारधारा, संस्था या व्यक्ति-विशेष के बारे में सूचित कर सकेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2,		

				CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ विज्ञापन : परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं उपयोगिता ▸ विज्ञापन के प्रकार	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ विज्ञापन के विविध माध्यम एवं उपयोगिता ▸ विज्ञापन के कार्य	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ विज्ञापन लेखन की कला एवं विशेषताएँ ▸ विज्ञापन की भाषा : रूप और संरचना	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ विज्ञापन और हिन्दी भाषा ▸ आधुनिक विज्ञापन : कला एवं व्यवहार	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ **:**

1. विज्ञापन कला : मधु धवन, हितकारी प्रकाशन, दिल्ली ।

2. आधुनिक विज्ञापन : कला एवं व्यवहार : डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

3. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धान्त : नरेन्द्र सिंह यादव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी ।

****

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – DSE– 1 (CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	तुलसी साहित्य
Course Code	**:**	**DSE 1**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

हिन्दी वांग्मय के श्रेष्ठतम कवि गोस्वामी तुलसीदास । वे भारतीय साहित्य के ऐसे अन्यतम कवि हैं, जिनकी व्याप्ति सदियों से है । भारतीय जीवन-व्यवहार, समाज -आदर्श और मानवीय करुणा का जो रूप उनके काव्य में मिलता है वह उन्हें ऐसे विशिष्ट कवि के स्तर पर प्रतिष्ठित करता है जहाँ किसी दूसरे कवि को स्थापित करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती । यह प्रश्न पत्र ऐसे एक महान विभूति तुलसीदास के साहित्य के अध्ययन का छोटा सा प्रयास है ।

CO1: : तुलसीदास के जीवनवृत्त और उनके साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन की जानकारी देना ।

ILO1: तुलसीदास के जीवनवृत्त एवं साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन से उनकी विलक्षण प्रतिभा से परिचित हो सकेगें ।

CO2: रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड से परिचित कराना ।

ILO1: रामचरितमानस के अध्ययन से विद्यार्थियों को आदर्श और मर्यादा के साथ-साथ नैतिक ज्ञान भी प्राप्त होगा ।

CO3 : कवितावली और विनय-पत्रिका से परिचित कराना ।

ILO1: कवितावली के उत्तरकाण्ड के निर्धारित पदों के माध्यम से तुलसी की भक्ति को समझ सकेंगे ।

ILO2: विनय-पत्रिका के चुने हुए महत्वपूर्ण पदों का ज्ञान प्राप्त होगा ।

CO 4 : तुलसीदास की विलक्षण प्रतिभा से परिचित कराना ।

ILO 1 रामचरित मानस के परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास की विलक्षण प्रतिभा से परिचित हो सकेंगे ।

ILO 2: विनय पत्रिका में भक्तिमूला प्रपत्ति को समझ सकेंगे ।

ILO 3 तुलसीदास की लोकमंगल भावना से परिचित हो सकेंगे ।

ILO 4 : तुलसीदास की समन्वय भावना से प्रेरित होंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यपुस्तक :

1. अयोध्याकाण्ड – रामचरितमानस : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
2. कवितावली : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
3. विनय-पत्रिका : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर ।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ तुलसीदास : जीवनवृत्त एवं साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन	**14**	**01**	**-**	**15**
2 (15 Marks)	▸ रामचरित मानस : अयोध्याकाण्ड : (10 - दोहा-चौपाई, संख्या - 67 से 76 तक)	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ कवितावली ; उत्तरकाण्ड : (5 छंद, पद संख्या – 29, 35, 37, 44, 60) ▸ विनय-पत्रिका : (10 पद, पद संख्या – 1, **5, 17**, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79)	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ रामचरित मानस के परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास ▸ विनय पत्रिका में भक्तिमूला प्रपत्ति ▸ तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल की भावना ▸ तुलसीदास की समन्वय भावना	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ **:**

1. तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. तुलसीदास : डॉ. वासुदेव सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड : डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

****

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – DSE – 1 **(CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)**

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course : सूर साहित्य
Course Code : DSE 1
Nature of the Course : Major
Total Credits : 4
Distribution of Marks : 60 (End Sem) + 40 (In-Sem)

प्रस्तावना **:**

हिन्दी साहित्य में भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य उपासक और ब्रजभाषा के श्रेष्ठ कवि हैं सूरदास । हिन्दी साहित्य के सूर्य माने जाने वाले सूरदास के पदों में कृष्ण भक्ति का अद्‌भुत वर्णन हुआ है । सूरदास का वात्सल्य वर्णन हिन्दी साहित्य की अनुपम निधि है । काव्यभिव्यक्ति में उनके जैसा दूसरा कवि नहीं है । वास्तव में अपने काव्य से उन्होंने भक्तिधारा की दिशा ही बदलकर रख दी ।

CO 1 : सूरदास के जीवन वृत्त एवं साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन की जानकारी देना ।

ILO1: सूरदास के जीवन वृत्त एवं साहित्य का विस्तृत अध्ययन कर सकेंगे।

CO 2 : सूरदास की विनय तथा भक्ति भावना से परिचित कराना।

ILO1: विनय तथा भक्ति के कुछ महत्वपूर्ण पदों के बारे में जान सकेंगे।

ILO2: गोकुल-लीला के कुछ महत्वपूर्ण पदों के बारे में जान सकेंगे।

CO 3 : सूरदास के राधा-कृष्ण संवाद और उद्धव संदेश संवाद से परिचित कराना।

ILO1: सूरदास के राधा-कृष्ण से संबन्धित कुछ महत्वपूर्ण पदों से परिचित होंगे।

ILO2: सूरदास के उद्धव-संदेश के कुछ महत्वपूर्ण पदों के माध्यम से निर्गुण पर सगुण के विजय को समझेंगे।

CO 4 : सूरदास की भक्ति भावना और काव्य-सौंन्दर्य की जानकारी देना।

ILO1: सूरदास की भक्ति भावना से परिचित होंगे।

ILO 2: सूरदास का वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन से परिचित होंगे।

ILO 3 अष्टछाप के कवियों में सूरदास के स्थान को समझेंगे।

ILO 4: सूरदास के भाषाधिकार के बारे में जान सकेंगे।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

पाठ्यपुस्तक : सुरसागर सार : (सं) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद।

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ सूरदास : जीवन वृत्त एवं साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन	**14**	**01**	**-**	**15**

2 (15 Marks)	▸ विनय तथा भक्ति : (पद संख्या - 1, 2, 4, 17, 23, 25, 44) ▸ गोकुल-लीला (पद संख्या - 1, 3, 7, 12, 19, 26, 41)	**14**	**01**	**-**	**15**
3 (15 Marks)	▸ राधा-कृष्ण (पद संख्या - 1, 2, 16, 23, 42, 48, 63) ▸ उद्धव-संदेश (पद संख्या - 62, 77, 80, 95, 132, 136, 155)	**14**	**01**	**-**	**15**
4 (15 Marks)	▸ सूरदास की भक्ति भावना ▸ सूरदास का वात्सल्य और शृंगार वर्णन ▸ अष्टछाप के कवियों में सूरदास का स्थान ▸ सूरदास का भाषाधिकार	**14**	**01**	**-**	**15**
	Total	**56**	**4**	**-**	**60**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**
- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ **:**

1. सूर की काव्य साधना : गोविन्द राम शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. सूरदास : डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

****

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE – DSE – 2 **(CREDIT – 4) L- 40. T – 4, P -0)**

Total Marks – 100 (**Th – 6**0 + **IA – 4**0)

Title of the Course	**:**	प्रेमचन्द साहित्य
Course Code	**:**	**DSE 2**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In-Sem)**

प्रस्तावना **:**

प्रेमचन्द हिन्दी साहित्य के महत्वपूर्ण तथा बहुआयामी रचनाकार है । उर्दूतथा हिन्दी दोनों ही भाषाओं में उन्होंने लेखन कार्य किया है । कथा साहित्य के साथ-साथ उन्होंने नाटक, निबंध आदि की भी रचना की है । प्रेमचन्द के साहित्य में उस दौर के समाज-सुधार आन्दोलन, स्वाधीनता संग्राम तथा प्रगतिवादी आन्दोलनों के सामाजिक प्रभावों का दिग्दर्शन निहित है । यही नहीं, उस युग की प्रमुख समस्याओं की अभिव्यक्ति भी उनके कहानियों-उपन्यासों में दिखाई देती है । प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रेमचन्द के एक उपन्यास, एक नाटक एवं पाँच कहानियों का अध्ययन कराया जा रहा है ।

CO 1: हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकार प्रेमचन्द की जीवनी, जीवन दर्शन तथा उनके साहित्य से परिचित कराना ।

ILO1: प्रेमचंद की जीवनी, जीवन दर्शन तथा उनके साहित्य से परिचित होंगे ।

CO 2: प्रेमचन्द के उपन्यास की प्रासंगिकता से परिचित कराना ।

ILO1: उपन्यास 'निर्मला' के माध्यम से समाज, संस्कृति, सभ्यता की जानकारी मिलेगी ।

CO 3: प्रेमचंद के नाट्य-साहित्य की प्रासंगिकता को अवगत कराना ।

ILO1: प्रेमचंद के नाटक 'कर्बला' के माध्यम से ऐतिहासिक, धार्मिक आदि प्रभावों का अध्ययन कर सकेंगे ।

CO 4: प्रेमचंद की कहानियों से परिचित कराना ।

ILO1: प्रेमचंद की कुछ चुनी हुई कहानियों के माध्यम से राजनीतिक और सामाजिक भ्रष्टाचार, निर्धनता से उपजी समस्याएँ, मानवीय मूल्य एवं करुणा आदि से परिचित हो सकेंगे ।

Learning Outcome Representation: Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimension					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3, CO4	CO1, CO2, CO3, CO4		CO1, CO2, CO3, CO4		
Conceptual	CO1, CO2,	CO1, CO2,		CO1,		

Knowledge	CO3, CO4	CO3, CO4		CO2, CO3, CO4		
Procedural Knowledge				CO1, CO2, CO3, CO4		
Meta cognitive Knowledge						

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 Marks)	▸ प्रेमचन्द : जीवनी, जीवन दर्शन तथा उनका साहित्य सृजन	**10**	**01**	**-**	**11**
2 (15 Marks)	▸ उपन्यास : निर्मला	**10**	**01**	**-**	**11**
3 (15 Marks)	▸ नाटक : कर्बला	**10**	**01**	**-**	**11**
4 (15 Marks)	▸ कहानी : कफन, ईदगाह, बूढ़ी काकी, पंच परमेश्वर, ठाकुर का कुआँ	**10**	**01**	**-**	**12**
	Total	**40**	**4**	**-**	**45**

Where, L: Lectures T: Tutorials P: Practicals

MODES OF IN-SEMESTER ASSESSMENT: (40 Marks)

- **Two Internal Examination - 20 Marks**
- **Others (Any two) - 20 Marks**
  - **Group Discussion**
  - **Seminar presentation on any of the relevant topics**
  - **Debate**

- **Mapping of Course Outcomes to Program Outcomes:**

CO / PO	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ **:**

1. प्रेमचन्द रचना संचयन : (सं) निर्मल वर्मा और कमल किशोर गोयनका, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. प्रेमचन्द आलोचनात्मक परिचय : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. प्रेमचन्द : डॉ. रामविलास शर्मा**,** राधाकृष्ण प्रकाशन**,** नयी दिल्ली ।
4. उपन्यास साहित्य का इतिहास : डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद ।

****